संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, मंगलवार, 27 फरवरी 2024 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 15 अंकः 56 पृष्ठः 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एक कार्यक्रम में उज्जवला गैस योजना के तहत कनेक्शन वितरित करते हुए।

अग्निवीर' की तारीफ, पाकिस्तान दुश्मनी के लायक नहीं: निंभोरकर

टीम एक्शनव इंडिया

लखनऊ : एक कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राजेंद्र रामराव निंभोरकर ने अग्निवीर योजना की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह एक अग्निवीर योजना अच्छी है। इससे लोगों में अनुशासन आएगा और लोग सेना को जानेंगे। जो निकम्मा होगा उसे ही काम नहीं मिलेगा, बाकी सभी को काम मिल जाएगा। अग्निवीर से रिटयर होने के बाद बीस-पच्चीस लाख मिल जाएंगे। फिर उसे अनुभव के आधार पर काम मिल जाएगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि सिर्फ 25 प्रतिशत सैनिकों को चार साल के बाद रोकना यह कम सही है। इसे बढ़ाना चाहिए।

अनुच्छेद 370 हटाना ही चाहिए था: लेफ्टिनेंट जनरल निंभोरकर ने कहा कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना सही फैसला था। इससे आतंकवाद में कमी आएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि कश्मीर की समस्या हल करनी है तो 370 हटाना ही चाहिए था। उन्होंने कहा कि इसमें समय लग सकता है पर इससे निश्चित रूप से हालात बदलेंगे। अब वहां पत्थरबाजी की घटनाएं सामने नहीं आती हैं।

राजनेताओं के बच्चे भी सेना में आने चाहिए: उन्होंने कहा कि कश्मीर में गरीबी नहीं है। वहां के लोग कहते हैं कि हमने आज सिर्फ पनीर खाया है मांस नहीं खाया। ये लोग उतना गरीब नहीं है जितना कि भारत के अन्य हिस्सों के लोग हैं। एक सवाल के जवाब में निंभोरकर ने कहा कि देश के सभी सेवाओं से जुड़े लोगों को कम से कम तीन साल सेना मे काम करना चाहिए। राजनेताओं के बच्चे भी सेना में आने चाहिए। इससे पहले, उन्होंने कहा कि देखिए, मैं तो हमेशा यूथ की बात करता हूं। मैं हमेशा कहता हूं मैं क्रिकट का बड़ा फैन हूं, हम अपनी बैटिंग करके निकल गए अब आप लोगों को ही देखना है। मैं अपना एक अपना अनुभव शेयर करता हूं और इसके साथ ही मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं। 1988 में जिया उलहक की डेथ हो गई थी उसके बाद एक पाकिस्तानी चौकी को काबिज करने का एक ऑर्डर मिला था। वहां पर तापतान काफी कम हो रहता था। पाकिस्तान की एक चौकी हमारे से काफी ऊंचाई पर थी और वहां से रोज फायर किए जाते थे। इसमें हमारे जवान घायल हो जाते थे। दो जेसीओ और आठ जवान इसमें शहीद हो गए। उन्होंने कहा कि एक हम बंकर बना रहे थे और तभी एक गोली हमारे जवान को माथे को छूकर निकल गई। हमने उससे कहा तुम घबराना मत और हमारे पास वहां पर एक टेलीफोन होता था पुराने समय वाला। हमने उससे संपर्क किया और कहा कि हम अगर तुम्हारे पास आएंगे तो मारे जाएंगे। तुम पचास फीट पीछे चले जाओगे तो एक खाई है और उसमें वो तुम्हारे ऊपर फायर नहीं कर पाएंगे। मैंने उससे कहा जब हम बोले की मूव करो तो कुछ मत करना बस पीछे चले जाना, उसने कहा ठीक है साहब मैं करूंगा।

'देश की प्रगति रेल गति से आगे बढ़ रही'

पीएम ने 554 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की नींव रखी, आज के भारत ने छोटे सपने देखना छोड़ दिया

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 554 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास और 1500 रोड ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज की आधारशिला रखी। इसके अलावा पीएम ने उत्तर प्रदेश में गोमती नगर स्टेशन का भी उद्घाटन किया।

छोटे सपना देखना छोड़ा: पीएम मोदी ने कहा, 'आज का ये कार्यक्रम नए भारत की नई कार्य संस्कृति का प्रतीक है। आज भारत जो करता है, अभूतपूर्व स्पीड से करता है। आज भारत जो करता है...अभूतपूर्व स्केल से करता है। आज के भारत ने छोटे-छोटे सपने देखना छोड़ दिया है। हम बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर देते हैं। यही संकल्प इस विकसित भारत, विकसित रेलवे कार्यक्रम में दिख रहा है।' उन्होंने कहा कि आज रेलवे से जुड़ी दो हजार से अधिक परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। अभी तो इस सरकार के तीसरे टर्म की शुरूआत जून महीने से होने वाली है। लेकिन अभी से जिस स्केल और स्पीड से काम होना शुरू हो गया है, वो सबको हैरत में डालने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज 27 राज्यों के करीब 300 से अधिक जिलों में 550 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प का शिलान्यास हुआ है।

आज यूपी के गोमती नगर के जिस रेलवे स्टेशन का लोकार्पण हुआ है, वो वाकई कमाल का दिखता है। इसके अलावा आज 1,500 से ज्यादा रोड, ओवरब्रिज, अंडरपास जैसी परियोजनाएं भी इसमें शामिल हैं।

'10 वर्षों में हम सभी ने एक नया भारत बनते देखा'

पीएम ने कहा कि बीते 10 वर्षों में हम सभी ने एक नया भारत बनते देखा है और रेलवे में परिवर्तन तो साक्षात हम अपनी आंखों से देख रहे हैं। जो कभी कल्पना में सोचते थे, आज हम अपनी आंखों से देख रहे हैं। एक दशक पहले तक अमृत भारत जैसी आधुनिक ट्रेन की कल्पना बहुत मुश्किल थी, एक दशक पहले तक नमो भारत जैसी शानदार रेल सेवा के बारे में किसी ने कभी सोचा नहीं था। रिपोर्ट के अनुसार, 533 रेलवे स्टेशनों को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से चुना गया है। स्टेशनों का 19,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकास किया जाएगा। स्टेशनों पर यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

'रक्षा विनिर्माण नीति तैयार करने वाला महाराष्ट्र भारत का पहला राज्य'

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने सोमवार को पुणे के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी कन्वेंशन सेंटर में महाराष्ट्र एमएसएमई रक्षा एक्सपो-2024 का दौरा किया। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था, औद्योगिक विकास, निर्यात और एफडीआई आकर्षण में प्रमुख योगदान देने वाले राज्यों में महाराष्ट्र का उल्लेख किया जाना चाहिए। रक्षा क्षेत्र में निजी निवेश की अनुमति के बाद रक्षा विनिर्माण नीति तैयार करने वाला महाराष्ट्र भारत का पहला राज्य था। महाराष्ट्र सरकार की ओर से आयोजित एमएसएमई एक्सपो महाराष्ट्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, निजी कंपनियों, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशालाओं और रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र इकाई (डीपीएसयू) की स्वदेशी क्षमताओं और नवाचारों को प्रदर्शित किया गया है।

डाक्टरों का प्राथमिक उद्देश्य 'स्वयं से पहले सेवा' होना चाहिए: मुर्मू

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को नई दिल्ली में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी) के 107वें वार्षिक दिवस और दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस मौके पर राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि आज चिकित्सा विज्ञान सिर्फ इलाज तक ही सीमित नहीं है। इसका दायरा बहुत व्यापक हो गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि गांधी जी ने भी चरित्र के बिना ज्ञान और मानवता के बिना विज्ञान को पाप बताया है। इसलिए डाक्टरों का प्राथमिक उद्देश्य पैसा कमाना नहीं बल्कि 'स्वयं से पहले सेवा' होना चाहिए।राष्ट्रपति ने आगे कहा कि चौथी औद्योगिक क्रांति के कारण भौतिक, डिजिटल और जैविक क्षेत्रों के बीच का अंतर कम हो रहा है। सिंथेटिक बायोलॉजी में हो रहे नए प्रयोग और क्लस्टर्ड रेगुलर इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिंड्रोमिक रिपीट (सीआरआईएसपीआर) जीन एडिटिंग जैसी नई तकनीकें सदियों से चली आ रही समस्याओं का समाधान ढूंढने में मददगार साबित हो रही हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि चिकित्सा बिरादरी अपने पेशेवर जीवन में नैतिकता और उच्च मूल्यों के अनुसार काम करेगी और ह्यवन हेल्थ' के एकीकृत दृष्टिकोण के साथ सभी समस्याओं को हल करने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि लोग डॉक्टरों को भगवान मानते हैं, ऐसे में डॉक्टरों को इस नैतिक जिम्मेदारी को समझना चाहिए और उसके अनुरूप व्यवहार करना चाहिए।

दीक्षांत समारोह

8 आज चिकित्सा विज्ञान सिर्फ इलाज तक ही सीमित नहीं है। इसका दायरा बहुत व्यापक हो गया

विस सत्रः राज्यपाल ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

अभिभाषण

8 राज्यपाल ने अभिभाषण में कहा कि विकसित भारत के संकल्प में विकसित उत्तराखंड की परिकल्पना ही नहीं विश्वास है, संकल्प है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
विधानसभा के पांच दिवसीय बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने सरकार की प्राथमिकताएं गिनाईं।
राज्यपाल सोमवार को दिए गए अपने अभिभाषण में कहा कि विकसित भारत के संकल्प में विकसित उत्तराखंड की परिकल्पना ही नहीं विश्वास है, संकल्प है। विकसित राज्य की ओर अग्रसर उत्तराखंड के निर्माण में सभी विधानसभा सदस्यों एवं जिला पंचायत क्षेत्र पंचायत, ग्राम पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम के सभी जन प्रतिनिधियों विशेष रूप से राज्य आंदोलनकारी और आम जन जिन्होंने प्रदेश की प्रगति में अहम योगदान है। सभी का आभार व्यक्त करता हूं। हमारा युवा प्रदेश समृद्ध उत्तराखंड एवं सशक्त उत्तराखंड की ओर तेजी से अग्रसर है। देवभूमि उत्तराखंड ने विगत वित्तीय वर्ष 2023-24 में विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की है। इन उपलब्धियों के फलस्वरूप हमारा प्रदेश सशक्त उत्तराखंड के लक्ष्य को प्राप्त करेगा।राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की कड़ी में सशक्त उत्तराखंड एट द रेट 25 की अवधारणा के आधार पर 2023-24 में कई नये आयाम स्थापित किए हैं। संविधान निमार्ताओं की भावनाओं के अनुरूप समान नागरिक के स्वप्न को धरातल उतारने हेतु उत्तराखंड के सभी नागरिकों को समान नागरिक अधिकार प्रदान करने वाले समान नागरिक संहिता विधेयक को मंजूरी देकर उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना है, जिसने समान नागरिक संहिता के अंतर्गत जाति, धर्म, क्षेत्र व लिंग के आधार पर भेद करने वाले व्यक्तिगत नागरिक मामलों से संबंधित सभी कानूनों में एकरूपता लाई गई है।
विशिष्टताओं की जानकारी देते हुए राज्यपाल ने कहा कि महिला डेस्क, जेल विकास बोर्ड, मस्का बाजा जैसे विशिष्टताओं की चर्चा की। उन्होंने कहा कि टिहरी गढ़वाल में सम्पन्न मध्य क्षेत्रीय परिषद की 24वीं बैठक का सफल आयोजन, तीन महानुभावों को उत्तराखंड गौरव सम्मान, ग्लोबल इंवेस्टर समिट उत्तराखंड जैसे आयोजन प्रदेश की क्षमता के क्षमता के प्रतीक है। हमारी सरकार में पर्यटन विभाग द्वारा मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत 48 पौराणिक मंदिरों का चिह्नीकरण और भारत गौरव मानसखंड एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन जैसी उपलब्धियां हासिल की हैं।
राज्यपाल ने पर्यटन में कैलास, ओम पर्वत, आदि कैलास आदि के लिए हेलीसेवा प्रारंभ करने के कार्य की चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक प्रदेश एक चुनाव, एक परीक्षा और दीक्षांत नीति का अनुपालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना, अपणो स्कूल, अपणो प्रमाण जैसी नीतियों की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश के 25 वर्ष पूर्ण होने पर दृष्टि पत्र 25 संकल्प 2022 के अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा मिशन संचालित किया जा रहा है।
राज्यपाल ने चिकित्सा, ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, शहरी विकास, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, वन विभाग, नागरिक उड्डयन विभाग, सिंचाई, लघु सिंचाई, वित्त विभाग, कृषि विभाग, गन्ना विकास विभाग समेत सभी विभागों की उपलब्धियों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि गाय गंगा महिला डेरी योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री बाल पोषण योजना, मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना, मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना समेत तमाम योजनाएं लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। केंद्र सरकार के सहयोग से बाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम, सैनिक कल्याण, युवा कल्याण, पेयजल, जलागम जैसी योजनाओं की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार देवभूमि उत्तराखंड को आदर्श राज्य के रूप में विकसित करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने इसके लिए सबका आभार प्रदर्शन किया है।

विधानसभा सुरक्षा घेरे में, विस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष से मिले धामी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड विधानसभा के पांच दिवसीय बजट सत्र से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य से मुलाकात की। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विधानसभा सुरक्षा घेरे में है।
सुरक्षा के साथ सभी व्यवस्था चाक-चौबंद कर लिए गए हैं। सत्र के दौरान अग्निशमन दल, आवश्यक चिकित्सा दल, दवाइयां एवं एंबुलेंस के साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल एवं सफाई व्यवस्था सबकुछ ठीक है। पासधारियों के अलावा अन्य किसी को भी विधानसभा में अनुमति नहीं है।
उत्तराखंड विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से देहरादून स्थित विधानसभा में शुरू हो गया है। सुरक्षा की दृष्टि से जिला प्रशासन ने विधानसभा के आसपास 300 मीटर के दायरे में धारा 144 लागू कर दी है। चारों तरफ बैरिकेडिंग के साथ पुलिस बल तैनात है।
धरना प्रदर्शन आदि के दृष्टिगत यातायात-कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रगति विहार, शास्त्रीनगर, बाईपास, डिफेंस कॉलोनी, विधानसभा तिराहा पर बैरियर लगाए गए हैं। बैरियर से ही लोग डायवर्ट कर दिए जा रहे हैं। हालांकि सत्र के दौरान विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षा भी हो रही है। इस दौरान स्कूल बसों, एम्बुलेंस सहित किसी को भी व्यवधान उत्पन्न न हो। इसका ख्याल रखा जा रहा है।

सत्ता पक्ष संख्या बल के आधार पर संसदीय परंपराओं का अनदेखी कर रही हैः यशपाल

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि विपक्ष के बिना कार्य मंत्रणा की बैठक करना संसदीय परम्पराओं की अनदेखी है। सत्ता पक्ष संख्या बल के आधार पर सत्र को मनमानी तरीके से चलाना चाह रही है। विपक्ष के साथ गतिरोध को खत्म करने के लिए संवाद नहीं किया जा रहा है।
सोमवार को बजट सत्र में शामिल होने के लिए विधानसभा पहुंचे नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे।
आर्य ने कहा कि सरकार चर्चा और मुद्दों से बचना चाहती है। विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले सत्र में विशेष सत्र पर एतराज जताया था और नियम के अनुसार विशेष सत्र नहीं था। विपक्ष की मांग प्रश्नकाल और चर्चा की थी लेकिन सरकार तैयार नहीं हुई। इसी आधार पर कार्यमंत्रणा समित से त्यागपत्र दिया था। उन्होंने कहा कि रविवार की रात बिना विपक्ष के कार्य मंत्रणा की बैठक हुई है, जो संसदीय परंपराओं का उल्लंघन है। बैठक को लेकर कोई वार्ता नहीं हुई, यह ठीक नहीं है। हमें दूरभाष पर बैठक में शामिल होने के लिए कहा है। यह लोकतंत्र का अपमान है। नियमों को ताक पर रखकर नया इतिहास लिखा जा रहा है। विपक्ष के साथ संवाद होना चाहिए लेकिन इसकी अनदेखी की जा रही है।

सड़क निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग करने पर प्रदर्शन

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के जोशीमठ विकास खंड के पंचम केदार कल्पेश्वर महादेव मंदिर एवं पंचबद्री ध्यान बदरी को जोड़ने वाली हेलंग-उर्गम मोटर मार्ग पर द्वितीय चरण का सड़क चौड़ीकरण के कार्य में घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग को लेकर सोमवार को जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने पीएमजीएसवाई और ठेकेदार के विरोध में प्रदर्शन किया।
प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष अनूप नेगी ने बताया कि 14 किलोमीटर हेलंग-उर्गम मोटर मार्ग पर चौड़ीकरण और सुधारीकरण का कार्य लगभग 14 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। सड़क निर्माण के दौरान बनाये जा रहे स्कबर, नाली के निर्माण में बजरी की जगह मिट्टी का उपयोग किया जा रहा है, जिसकी शिकायत पीएमजीएसवाई के अधिकारियों से की गई थी।
इस पर सोमवार को विभागीय अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों ने स्थलीय निरीक्षण किया। ठेकेदार की ओर से निर्माण कार्य में सुधार न किये जाने से गुस्साये ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने इसका विरोध कर अधिकारियों और ठेकेदार के विरोध में नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी है कि यदि कार्य में सुधार नहीं किया जाता है तो आंदोलन किया जाएगा।

विधानसभा सत्र गैरसैंण में न होना जनभावना का अपमानः हरीश रावत

मौन उपवास

8 करन माहरा सहित कई विधायकों व पूर्व मंत्रियों के साथ गांधी पार्क में एक घंटे का मौन उपवास किया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा सहित कई विधायकों व पूर्व मंत्रियों के साथ गांधी पार्क में एक घंटे का मौन उपवास किया। उन्होंने कहा कि गैरसैंण में बजट सत्र करने का प्रस्ताव था। भाजपा की प्रदेश सरकार ने विधानसभा सत्र गैरसैंण में न कर जनता का अपमान किया है।
पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट सत्र को गैरसैंण में करने का निर्णय विधानसभा के संकल्प के रूप में लिया गया था। भाजपा की सरकार ने बजट सत्र वहां न कर उत्तराखंड की जनता और गैरसैंण की भावना का अपमान किया है। यह शहीदों का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने विधानसभा भवन सहित कई आधारभूत ढांचे का निर्माण भी वहां किया था। राज्य सरकार लगातार उत्तराखंड निर्माण की जनभावनाओं का अपमान कर रही है।
इस दौरान पूर्व मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी, डॉ. जसविंदर सिंह गोगी, राजकुमार जायसवाल, गरिमा दसौनी, कर्नल मन्हास, महेंद्र नेगी गुरुजी, कामरेड कमल रजवार आदि थे।

गैरसैंण में सत्र न कराए जाने के विरोध प्रदर्शन में आप नेता गिरफ्तार

हंगामा

8 विधायकों एवं मंत्रियों द्वारा विधानसभा सत्र गैरसैंण में न कराए जाने को लेकर ठंड का बहाना बनाया था।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं आप नेता रविंद्र आनन्द ने उत्तराखंड में चल रहे विधानसभा सत्र को गैरसैंण में न कराए जाने को लेकर देहरादून स्थित विधानसभा गेट पर पहुंचकर हंगामा काटा। जहां से उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।
उत्तराखंड के विधायकों एवं मंत्रियों द्वारा विधानसभा सत्र गैरसैंण में न कराए जाने को लेकर ठंड का बहाना बनाया था। उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री कैबिनेट मंत्री और नेताओं को सीख देने के लिए अनोखा ढंग अपनाया। उन्होंने लोकल इंटेलिजेंस और एलआईयू को चकमा देते हुए अपने कपड़े उतार कर विधानसभा गेट के सामने उत्तराखंड बचाओ, गैरसैंण जाओ के नारे लगाए और आइसक्रीम खाते हुए नहाने का प्रयास किया। पुलिस बल ने बलपूर्वक उन्हें रोक दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम पहाड़ी लोग हैं हिमालय रीजन में रहते हैं हमको ठंड नहीं लग सकती इसलिए विधायक और मंत्रियों को सीख देने हेतु उन्होंने इस प्रकार का हथकंडा अपनाया ।
उन्होंने कहा वह उत्तराखंड की मांग को हमेशा उठाते रहेंगे चाहे उन्हें इसके लिए कोई भी बलिदान करना पड़े। इस दौरान पुलिस ने बलपूर्वक उन्हें गिरफ्तार कर जीप में बैठा लिया और गिरफ्तार कर पुलिस लाइन ले गई ।

मसूरी में कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन, लोकसभा चुनाव के लिए बनाई रणनीति

मसूरी/टीम एक्शन इंडिया
पहाड़ों की रानी मसूरी में कांग्रेस कार्यकताओं ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए टिहरी लोकसभा के अंतर्गत मसूरी विधानसभा में कार्यकर्ता का सम्मेलन आयोजित किया गया।
कांग्रेस के टिहरी लोकसभा प्रभारी वह पूर्व कैबिनेट मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की । कांग्रेस कार्यकताओं ने मंत्री प्रसाद नैथानी को शाल और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में अपनी पहचान बनाने वाले सेम्यूल चंद्र को भी प्रशस्ति पत्र और पुष्पगुच्छ करके स्वागत किया गया।
पत्रकारों से वार्ता में मंत्री प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव के लिए

पूरी तरह से तैयार है। वह भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों को लेकर जनता के बीच में जा रही है। उन्होंने कहा कि टिहरी लोकसभा में ढाई हजार पोलिंग बूथ है, जिनको मजबूत किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस मजबूती के साथ देश में लोकसभा का चुनाव लड़ने जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार का गैरसैंण में बजट सत्र ना आयोजित कर देहरादून में आयोजित किया जाना, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाजपा की करनी और कथनी में काफी अंतर है। उत्तराखंड के शहीदों और आंदोलनकारी का गैरसैंण में स्थाई राजधानी बनाए जाने का सपना पूरा नहीं किया जा सका है। कांग्रेस के शासन में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का गैरसैंण को स्थाई राजधानी बनाए जाने को लेकर एक पूरा नेटवर्क तैयार किया गया था, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार गैरसैंण में बजट सत्र तक आयोजित नहीं कर पा रही है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। न्होंने कहा कि आगामी चुनाव में जनता भारतीय जनता पार्टी को जवाब देने जा रही है और इस बार कांग्रेस के प्रत्याशी भारी मतों से विजय होंगे, जिससे कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बन सके। उन्होंने बताया कि कांग्रेस राष्ट्रीय और राज्य स्तर के मुद्दों को लेकर जनता के बीच में जाएगी। पूरे देश में महंगाई भ्रष्टाचार चरम पर है, जिससे लोग परेशान है और यही कारण है कि इस बार जनता कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी लोकसभा की सीट जीतकर केंद्र में सरकार बनायेगी।
इस मौके पर पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला, गोदावरी थापली, महेन्द्र सिंह नेगी, मोहन थापली, विकास राज,महादेव भट्ट,भरोसी रावत, रोहन शाह, बीएस नेगी, नफीस कुरैशी, मेघ सिंह कंडारी, शहर अध्यक्ष अमित गुप्ता, महिमानंद, राजीव अग्रवाल, महेश चंद, अरविंद सोनकर, जगपाल गुसाई, प्रिंस पवार, प्रताप पंवार, सुशील अग्रवाल सहित कई लोग मौजूद थे।

घर से ज्वेलरी और अन्य सामान चोरी करने वाले दो दबोचे

चोरी

8 पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस ने घर में घुसकर ज्वेलरी आदि सामान चोरी करने के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है।
ग्राम किशनपुर जमालपुर निवासी शहजाद ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ 23 फरवरी को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करवाया था। मुकदमा दर्ज करने के बाद चोरों की तलाश में जुटी पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक करते हुए जानकारी जुटाई।
थाना भगवानपुर पुलिस ने इस संबंध में इकबालपुर पुहाना रोड से दो आरोपितों अतुल पुत्र स्व. नरेन्द्र सैनी निवासी गायत्री कालोनी सलेमपुर गैस गौदाम के पीछे कोतवाली गंगनहर रुड़की हरिद्वार व रविन सैनी पुत्र भरत सिंह सैनी निवासी सालियर साल्हापुर कोतवाली गंगनहर रुड़की हरिद्वार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

गर्जन के साथ होगी मार्च की शुरूआत, बर्फबारी की संभावना

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
फरवरी माह अब विदाई की ओर है। माह भर मौसम का काफी उतार-चढ़ाव दिखने को मिला। अब मार्च की भी शुरूआत गर्जन के साथ होगी। ओलावृष्टि व आकाशीय बिजली जान-माल को हानि पहुंचा सकता है। भारी बर्फबारी के भी संकेत हैं। पहाड़ियों के संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन की संभावना है। कुल मिलाकर फरवरी के बाद मार्च भी पीछे नहीं रहने वाला है। बर्फीली हवाएं लोगों को कंपकपाने के साथ और कई संकेत भी मिले हैं।
मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड के जनपद उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, देहरादून, पौड़ी, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, नैनीताल, उधमसिंह नगर व हरिद्वार में तीन हजार मीटर व उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है। गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने व ओलावृष्टि के आसार हैं।
मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने सावधानी के साथ सतर्कता बरतने की सलाह दी है। पूवार्नुमान के अनुसार कहा कि पाला पड़ने से फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं आकाशीय बिजली से जान-माल को भी खतरा है। मध्यम से भारी बर्फबारी के कारण लगभग 3500 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर सड़कें बंद होने की संभावना है। बर्फबारी वाले क्षेत्रों में बिजली व पाइप लाइनें प्रभावित होने की संभावना है। उत्तराखंड की पहाड़ियों के संवेदनशील क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर चट्टानें गिरने व भूस्खलन के परिणामस्वरूप लिंक सड़कें एवं राजमार्ग अवरुद्ध होने की संभावना है। इस अवधि के दौरान पहाड़ी इलाकों में कुछ स्थानों पर शीत दिवस की स्थिति बनी रहने की संभावना है। बर्फ जमा होने के कारण सड़कें फिसलन भरी होंगी। 28 व 29 फरवरी को मौसम अनुकूल रहने का अनुमान है।

विकसित उत्तराखंड संकल्प को लेकर सरकार बढ़ रही है आगे

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड विधानसभा में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) के अभिभाषण के साथ सोमवार को बजट सत्र शुरू हो गया। इस दौरान राज्यपाल सिंह ने कहा कि उत्तराखंड को वर्ष 2025 तक देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के दृष्टिगत सरकार रोडमैप को लेकर काम कर रही है। इस सत्र में सरकार 27 फरवरी (मंगलवार) को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बजट पेश करेगी।
सोमवार सुबह 11 बजे राष्ट्र गान के साथ पांचवीं विधानसभा का सत्र शुरू हो गया। इससे पहले राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दोपहर 3 बजे भोजनावकाश के समय सदन की कार्यवाही विधिवत शुरू होगी।इस दौरान राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने अपने अभिभाषण में राज्य सरकार की उपलब्धियों और विशेष रूप से महिला सशक्तीकरण व राज्य के विकास को बढ़ावा देने के लिए धामी सरकार की ओर से उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। इसमें उत्तराखंड को वर्ष 2025 तक देश के श्रेष्ठ राज्यों में शामिल करने के दृष्टिगत सरकार के रोडमैप की झलक देखने को मिली। उन्होंने कहा कि राज्य में 13 सौ अनाधिकृत कानून चिन्हित किये जा रहे हैं और लगभग चार सौ ऐसे कानूनों को विलुप्त किया गया है।
राज्यपाल ने कहा कि विकसित उत्तराखंड संकल्प को लेकर सरकार आगे बढ़ रही है। सभी विधानसभा, नगर पंचायत सदस्य सहित सभी प्रतिनिधियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सर्वश्रेष्ठ राज्य में शामिल हैं। राज्य के विकास के लिए सरकार क?त संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023 में कई नए आयाम स्थापित किये गये हैं। उत्तराखंड विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पारित करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना है। उत्तराखंड सरकार महिलाओं के उत्थान और सुरक्षा को लेकर गंभीर होकर काम कर रही है।
उन्होंने कहा कि जी-20 की तीन बैठकों का सफल आयोजन से विश्व भर में संदेश गया। देहरादून में इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन कर उद्योग और रोजगार सृजन के लिए तेजी से काम किया जा रहा है।
उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यटन, तीर्थाटन,धर्म अध्यात्म के लिए केदारखंड और मानस खंड को विकसित किया जा रहा है। राज्य में नई पर्यटन नीति से रोजगार और स्वरोजगार में अपार संभावनाएं है। शिक्षा के क्षेत्र में शोध कार्य को सरकार बढ़ावा देने के लिए सरकार काम कर रही है।

अवैध खनन में लिप्त जेसीबी सहित 5 वाहन सीज

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
धर्मनगरी में अवैध खनन का कारोबार खूब फल फूल रहा है। जिले का कोई ऐसा नदी किनारा शायद छूटा हो जहां खनन का ये खेल ना खेला जा रहा हो। सोमवार को पुलिस व राजस्व विभाग की टीम ने पथरी क्षेत्र में अवैध खनन से भरे एक जेसीबी सहित 5 वाहनों को सीज कर दिया। पथरी थाना क्षेत्र अंतर्गत विशनपुर कुंडी के पास अवैध खनन होने की सूचना पुलिस को मिली। इसके बाद राजस्व विभाग की टीम के साथ मिलकर पुलिस ने छापेमारी कर मौके से एक जेसीबी तीन ट्रैक्टर ट्राली व एक डंफर को पकड़ा, जिनमें खनन सामग्री लदी हुई थी।

भारतीय रेल का स्वर्णिम युग, सच होने जा रहा पहाड़ तक ट्रेन पहुंचाने का सपना: धामी

समारोह

8 - रेल नेटवर्क का हिस्सा बन रही वंदे भारत, आत्मनिर्भरता और आधुनिकता का है प्रतीक

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम भारतीय रेल के स्वर्णिम युग की ओर बढ़ रहे हैं। भारतीय रेलवे को नए भारत की आकांक्षाओं और आत्मनिर्भर भारत की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार किया जा रहा है।
देहरादून से टनकपुर, काशीपुर व कोटद्वार रेलवे स्टेशन के

पुनर्विकास शिलान्यास समारोह में वर्चुअल प्रतिभाग करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां ब्रॉड गेज रेल लाइनों से मानव रहित रेल क्रॉसिंग को खत्म कर भारतीय रेलवे को पहले से कहीं अधिक सुरक्षित बनाया गया है तो भारतीय रेलवे की रफ्तार भी पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी है। आत्मनिर्भरता और आधुनिकता के प्रतीक चिन्ह के रूप में वंदे भारत जैसी मेड इन इंडिया ट्रेनें रेल नेटवर्क का हिस्सा बन रही हैं तथा देश के अछूते हिस्सों को रेल नेटवर्क से जोड़ने का काम भी तेजी से चल रहा है। रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास और बदलते भारत का प्रतिबिंब है अमृत भारत स्टेशन योजना-
उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ की गई अमृत भारत स्टेशन योजना रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास और बदलते भारत का प्रतिबिंब है। आज का नया भारत, एक नई गति और एक नई शक्ति के साथ आगे बढ़ रहा है तथा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार सभी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को विश्वस्तरीय बना रही है।मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तरखंड में बहुत से कार्य हुए हैं। उत्तराखंड में आज पहाड़ तक ट्रेन पहुंचाने का सपना सच होने जा रहा है। प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और स्पष्ट विजन के कारण ही आज ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाइन का 50 फीसदी से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है।

40 करोड़ से टनकपुर, काशीपुर और कोटद्वार रेलवे स्टेशन का होगा पुनर्विकास

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा किए गए 554 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास शिलान्यास के बृहद कार्य ने देश में आज एक और नया कीर्तिमान बनाया है।
उत्तराखंड में 40 करोड़ से अधिक की लागत से पुनर्विकास के लिए चयनित तीनों रेलवे स्टेशनों के पुर्नविकास से कुमाऊं क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी के साथ लोगों को स्टेशन पर अत्याधुनिक सुविधाएं भी मिल सकेंगी।

गंगनहर कोतवाली पुलिस ने दो साइकिल चोरों को किया गिरफ्तार

चालान

8 पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी की साइकिल बरामद कर मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गंगनहर कोतवाली पुलिस ने साइकिल चोरी के आरोप में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी की दो साइकिल बरामद की हैं।
बीते रोज कृष्ण बल्लभ उनियाल निवासी डी-307६ 01 सुभाष नगर रुडकी कोतवाली गंगनहर ने अपनी बेटी की साइकिल चोरी होने के संबंध में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को चेकिंग के दौरान पनियाला रोड रहीमपुर से गिरफ्तार कर लिया।
आरोपितों के नाम अरशद उर्फ बंटी पुत्र नम निवासी हसन कॉलोनी रामपुर चुंगी रुडकी कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार व शोएब पुत्र शमशाद निवासी बांदा रोड इस्लामनगर थाना सिविल लाइन रुडकी जनपद हरिद्वार बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी की साइकिल बरामद कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा का टिकट दिलवाने के नाम पर चिकित्सक से ठगे 10 लाख

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
एक चिकित्सक से लोकसभा का चुनाव लड़वाने के नाम पर 10 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित चिकित्सक ने इस मामले में पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसी के साथ आरोपितों पर चिकित्सक को बंधक बनाकर रखने का भी आरोप है। पुलिस ने मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है।
देहरादून के रायवाला निवासी प्रवीण नामक एक चिकित्सक ने रुड़की गंगनहर कोतवाली पुलिस को तहरीर में बताया कि करीब छह वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में आयोजित एक समारोह के दौरान उनकी मुलाकात रुड़की निवासी संजीव से हुई थी। इसी बीच संजीव ने उन्हें अपना नंबर भी दिया था और कहा था कि कभी किसी चीज की जरूरत पड़े तो वह उनकी मदद करेगा। आरोप है कि संजीव ने साल 2023 दिसंबर माह में उन्हें एक गैंगस्टर का डर दिखाकर रायवाला से रुड़की शिफ्ट करा दिया था, जिसके बाद उन्हें संजीव ने अपने एक साथी के साथ मिलकर लोकसभा में चुनाव लड़वाने का झांसा दिया और उसके एवज में उनसे 10 लाख रुपए ठग लिए।
चिकित्सक ने यह भी आरोप लगाया कि संजीव ने अपने साथी मोहित के साथ मिलकर उसे रुड़की अपने घर पर बंधक बनाकर रखा। आरोप है कि विरोध करने पर वह उन्हें जान से मार देने की धमकी देता था। गंगनहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार ने बताया कि चिकित्सक की तहरीर पर आरोपित संजीव व मोहित के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

ग्रामीणों की आपत्ति के बाद रोका पेयजल योजना का कार्य

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर से लगे गंगोल गांव के ग्रामीणों ने सोमवार को गिमगिन्या तोक के प्राकृतिक स्रोत से देवर खड़ोरा गांव की जलापूर्ति के लिए बनायी जा रही पेयजल लाइन का विरोध किया और निर्माण कार्य बंद किए जाने की मांग को लेकर सोमवार को अधिशासी अभियंता जल निगम को ज्ञापन सौंपा।
महिला मंगल दल अध्यक्ष सुशीला रावत ने कहा कि गांव के गिमगिन्या तोक से प्राकृतिक स्रोत से पेयजल योजना अगर देवर खडोरा गांव के लिए संचालित होती है तो भविष्य में गंगोल गांव, सगर गांव पर पेयजल संकट मंडरा सकता है। उन्होंने कहा कि देवर खडोरा गांव के लिए बिछाई जा रही पेयजल लाइन को बंद किए जाने को लेकर पूर्व में जिलाधिकारी और विभागीय अधिकारियों पत्राचार के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इसी संबंध में सोमवार को ग्रामीणों के शिष्ट मंडल ने अधिशासी अभियंता से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपते हुए उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।
इस अवसर पर सुशीला रावत, शशि देवी, माला रावत, सुनीता, सरिता, विनीता, भारती, माहेश्वरी देवी, बीना देवी, संगीता देवी, मीना देवी, राजी देवी, अरविंद, गजेंद्र सिंह, हरीश रावत, पुष्कर, सतेंद्र सिंह आदि मौजूद थे। इधर, पेयजल निगम के अधिशासी अभियंता विनय कुमार जैन ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर गंगोल गांव, सगर गांव के गिमगिन्या तोक से जिस प्राकृति स्त्रोत से देवर खडोरा गांव के लिए पेयजल लाइन बिछाई जा रही थी, जिस पर विवाद के चलते कार्य को रोक दिया गया है। विवाद सुलझने के बाद ही आगे पेयजल योजना पर कार्य किया जाएगा।

नहीं रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुदामा लाल

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के अनुसूचित विभाग के अध्यक्ष दर्शन लाल के भाई स्व. सुदामा लाल के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है।
प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि स्व. सुदामा लाल जी का आकस्मिक निधन कांग्रेस पार्टी की अपूर्णीय क्षति है। उन्होंने कहा कि स्व. सुदामा कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ता के साथ-साथ हमेशा क्षेत्र की आवाज शासन प्रशासन तक पहुँचाने का काम करते रहे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष संगठन/प्रशासन मथुरा दत्त जोशी ने भी स्व. सुदामा लाल के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि ईश्वर उनके परिजनों को इस दुखः को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कार्य मंत्रणा की बैठक के लिए विपक्ष के सदस्यों से किया गया था संपर्क

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
संसदीय कार्य मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने राज्यपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्य मंत्रणा समिति की बैठक के लिए विपक्षी सदस्यों से संपर्क किया गया। इसके बावजूद विपक्ष की ओर से कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया। विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों की ओर से भी उन्हें सूचित किया गया था।राज्यपाल के अभिभाषण के बाद संसदीय कार्य मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि राज्यपाल का उत्तराखंड और उत्तराखंड वासियों के लिए जिस प्रकार से भाव रहता है, उनका यह भाव अभिभाषण में भी परिलक्षित हुआ।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने अपनी मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन

प्रदर्शन

8 सीटू के बैनर तले आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन की ओर से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया।

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन की ओर से सोमवार को जिले के विभिन्न ब्लॉक और तहसील मुख्यालयों पर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया तो वहीं जिला मुख्यालय गोपेश्वर में जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में धरना दिया।
चमोली जिले के थराली तहसील मुख्यालय पर सीटू के बैनर तले सोमवार को आंगनबाड़ी कार्यकत्री

संगठन की ओर से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया। सीटू के जिलाध्यक्ष मदन मिश्रा ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलनरत है, लेकिन सरकार उनकी मांगों पर कोई गौर नहीं कर रही है। जो कि सरासर अन्याय है। सीटू के जिला अध्यक्ष मदन मोहन मिश्रा, शशिकला, यशस्वनि, दीपा, बसन्ती, गौरी, पुष्पा, दुर्गा, उमा आदि मौजूद थीं।
इधर देवाल विकास खंड मुख्यालय पर भी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने मानदेय में बढ़ोतरी, राज्य कर्मचारी घोषित करने सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया तथा खंड विकास अधिकारी के माध्यम से एक ज्ञापन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भेजा। प्रदर्शनकारियों में रेखा देवी, मीना मिश्रा, महादेवी, मंजू देवी, दुर्गा देवी, कमला देवी, बसन्ती देवी, दीवानी देवी, मुन्नी देवी, सरस्वती देवी, जानकी देवी आदि मौजूद थे।वहीं जिला मुख्यालय गोपेश्वर, पोखरी में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने अपनी मांगों को लेकर धरना दिया। संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष आशा थपलियाल ने कहा कि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक विचार नहीं कर रही है जो कि न्यायोचित नहीं है। उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को लेकर प्रदेश भर में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां आंदोलनरत है, लेकिन सरकार चुप बैठी है। जो कि सरकार की संवेदनहीनता को प्रदर्शित कर रहा है। इस मौके पर अनिता नेगी, उमा, विजया, कविता, माला, कांति, रूकमणी, सुनीता, रचना, सरस्वती आदि मौजूद थीं।

किसानों ने निकाला कैंडल मार्च, दिया धरना

आंदोलन

8 विजय शास्त्री ने बताया कि हरियाणा पंजाब के किसान सरकार के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकताओं ने गुरुकुल नारसन हाइवे पर ट्रैक्टर ट्राली मार्च निकाला। इस दौरान हाइवे पर धरना देकर सरकार के खिलाफ किसानों ने नारेबाजी की।
नारसन में ट्रैक्टर ट्राली मार्च के बाद धरने पर बैठे भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष विजय शास्त्री ने बताया कि हरियाणा पंजाब के किसान सरकार के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं। उनका समर्थन देने के लिए भारतीय किसान के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश (टिकैत) के आह्वान पर एक दिन के लिए ट्रैक्टर मार्च निकाला है। कहाकि अगर सरकार नहीं जागती है तो हाईकमान के आदेश पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।
इसके साथ ही विजय शास्त्री ने सरकार से मांग की कि किसानों का कर्ज, बिजली के बिल माफ हो और एमएसपी पर गारंटी कानून लागू हो।

रुद्रपुर अध्यक्ष पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में कांग्रेस ने फूंका पुतला

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
कांग्रेस पार्टी चमोली ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए पार्टी के महानगर रूद्रपुर अध्यक्ष पीसी शर्मा पर भाजपा सरकार के इशारे पर जानलेवा हमले की निंदा करते हुए सोमवार को चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर के तिराहे पर राज्य सरकार का पुतला दहन किया।कांग्रेस पार्टी के जिला मुख्यालय प्रभारी आनंद सिंह पंवार ने आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य की भाजपा सरकार के इशारे पर महानगर रुद्रपुर अध्यक्ष पर जानलेवा हमला किया गया। साथ ही आरोपितों के विरोध में नामजद रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद पुलिस की ओर से कार्रवाई नहीं की जा रही है जो एक शर्मनाक बात है, जिसका उनकी पार्टी घोर निंदा करती है।

शैक्षणिक भ्रमण से लौटी छात्रों की टीम का किया स्वागत

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के एमपीएड अंतिम सेमेस्टर के प्रशिक्षु 13-छात्रों का दल शैक्षिक भ्रमण से वापस लौट आया है। शैक्षिक भ्रमण के दौरान प्रशिक्षुओं ने खेल प्रशिक्षण के सबसे बडे. राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला की जानकारी को छात्रों के साथ साझा की।
भ्रमण पर गये प्रोजेक्ट समन्वयक डॉ. शिवकुमार चौहान ने बताया कि कैम्प अवधि में छात्रों ने राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला में उपलब्ध उच्चतम श्रेणी के खेल संसाधन, तकनीकी जानकारी और एशियन एवं ओलम्पिक खेलों में देश का नेतृत्व कर चुके खिलाड़ियों एवं द्रोणाचार्य अवार्डी से संवाद किया। संस्थान के चीफ कोच एवं पूर्व ओलम्पियन शक्ति सिंह ने प्रशिक्षुओं को जीवन में 3-डी डेडिकेशन, डिवोशन एवं डिसिपलिन की महत्ता बताई। श्रेष्ठ खिलाड़ी बनने के लिए इन गुणों का होना निहायत जरूरी है। छात्रों ने पंचकुला राजकीय महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय महासम्मेलन में स्पोर्ट्स इंजरी पर फोर्टिस हास्पिटल के डॉ. मानीत अरोड़ा के व्याख्यान तथा एनडीटीवी एंकर सारिका सिंह, जम्मू यूनिवर्सिटी के प्रो. जगदीश बख्शी, पंजाबी वि.वि. के प्रो. निशान्त सिंह देऑल, अर्जुन अवार्डी सुनील डबास (कब्ड्डी), पूजा कादियान (वुशु), राजकुमार सांगवान (बाक्सिंग), डॉ. दलेल सिंह चौहान एवं अमीर सिंह (वालीबॉल) से भी मुलाकात की।
भ्रमण के अंतिम पड़ाव मे प्रशिक्षुओं ने पिंजोर गॉर्डन, रॉक गार्डन, सुखना लेख आदि रमणीय स्थलों का भी भ्रमण किया। विश्वविद्यालय पहुंचने पर छात्रों के साथ संवाद करते हुए भ्रमण दल के समन्वयक डॉ. शिवकुमार चौहान ने बताया कि शिक्षा के तेजी से बदलते स्वरूप में किसी स्थिति से रू-ब-रू मिलने से प्रेक्टिकल एवं वास्तविक जानकारी ज्यादा प्रभावी तरीके से समझने में मदद मिलती है। ऐसे आयोजन से छात्रों के मन-मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव पड़ता है, जिसका परोक्ष लाभ भविष्य की योजनाओं के निर्धारण मे मिलता है। परिसर पहुंचने पर प्रभारी डॉ. अजय मलिक, डॉ. कपिल मिश्रा, डॉ. अनुज कुमार, प्रणवीर सिंह,सुनील कुमार, दुष्यंत राणा, अश्वनी कुमार आदि ने छात्रों का स्वागत किया।

कार्यकर्ता पर हमले के विरोध में कांग्रेस ने फूंका पुतला

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
कांग्रेस के रुद्रपुर महानगर अध्यक्ष सीपी शर्मा पर 24 फरवरी को हुए जानलेवा हमले के विरोध में कांग्रेस कार्यकताओं ने महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में सोमवार को भाजपा सरकार का पुतला दहन किया।
कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा नेताओं की शह पर रुद्रपुर महानगर अध्यक्ष सीपी शर्मा पर हुआ जानलेवा हमला और बार बार विपक्ष के नेताओं पर हो रहे हमले और दुर्व्यवहार भाजपा के शासन में राज्य की ध्वस्त होती कानून व्यवस्था का परिणाम है। एक शिलापट को सम्मानपूर्वक पास ही शिफ्ट करने को लेकर विपक्षी

नेता पर जानलेवा हमला करना भाजपा नेताओं का अहंकार और संकीर्ण मानसिकता को दिखाता है। भाजपा नेताओं को याद रखना चाहिए कि न तो वे हमेशा से सत्ता में रहे हैं न हमेशा सत्ता में रहेंगे। प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्ण सिंह रावत , प्रदेश महासचिव मनीष नागपाल, गुलशेयर मियाँ मुन्नाभाई , पार्षद हरिमोहन भट, राजेश परमार ,आशीष गोसाई ,अशोक कुमार ,सुदेश गुप्ता ,संजय शर्मा ,हिमांशु नेगी ,मनोज चौधरी ,प्रवीण भारद्वाज ,महबूब अंसारी ,शहजाद अंसारी ,रिपु दमन ,आलोक मेहता, राजेश पुंडीर,अभिषेक तिवारी आदि सम्मिलित थे।

विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित

विधानसभा सत्र

8 कार्य संचालन नियमावली 2005 के नियम (खंड 22) के अंतर्गत कार्यवाही स्थगित कर दी गई

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राज्यपाल के अभिभाषण के बाद तीन बजे भोजनावकाश के बाद विधानसभा सत्र शुरू हुआ। इसके बाद विधानसभा बजट सत्र 2024 की कार्यवाही 27 फरवरी 2024 पूर्वाहन 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। उत्तराखंड विधानसभा में वंदे मातरम् प्रारंभ हुआ।
विधानसभा अध्यक्ष ने राज्यपाल

के अभिभाषण को पढ़कर सुनाया। उत्तराखंड विधानसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली 2005 के नियम (खंड 22) के अंतर्गत अध्यक्ष की घोषणाओं के बाद 27 फरवरी तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई।
राज्यपाल ले.ज. गुरमीत सिंह ने सोमवार को पंचम विधानसभा के प्रथम सत्र में अपना अभिभाषण प्रस्तुत किया। विधानसभा पहुंचने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने राज्यपाल का स्वागत किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूरी, वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, मंत्री सतपाल महाराज आदि उपस्थित थे।

अवैध शराब का जखीरा पुलिस ने किया नष्ट

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
आगामी लोकसभा चुनावों को देखते हुए न्यायालय के आदेश पर विगत तीन वर्षों में 62 मामलों में पकड़ी गई कच्ची शराब के जखीरे को पुलिस टीम ने नष्ट किया। अवैध शराब को लेकर इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।
आगामी लोकसभा सामान्य चुनाव के दृष्टिगत थाना श्यामपुर पुलिस ने वर्ष 2021 से 2023 तक अवैध शराब के करीब 62 मामले पकड़े। जिनमें बरामद कच्ची शराब को न्यायालय के आदेश पर नष्ट किया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान सीओ सिटी जूही मनराल क्षेत्राधिकारी नगर हरिद्वार, आबकारी निरीक्षक डा. ज्योति वर्मा, रेखा आर्य उपस्थित रहे।

कन्या भ्रूण हत्या पर कार्यक्रम का आयोजन

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
साबिर फरीदी विकास समिति सुल्तानपुर में ग्राम सुलतानपुर आदमपुर मदरसा मजहरुल इस्लाम फुरकानिया में भ्रूण हत्या और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर अध्यक्ष मोहम्मद रिजवान ने कहा कि भ्रूण हत्या जन्म लेने से पहले मां के गर्भ से कन्या भ्रूण को समाप्त करने की गर्भपात की प्रक्रिया है। भारत में कन्या भ्रूण हत्या और यहां तक की कोई भी लिंक पहचान परीक्षण अवैध है। उन्होंने कहाकि आमतौर से माता-पिता बेटी नहीं चाहते, क्योंकि उन्हें बेटी की शादी में दहेज के रूप में एक बड़ी रकम देनी होती है। हमें भ्रूण हत्या जैसे अपराध से

बचना चाहिए और बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ जैसी नीति व कार्यशाली पर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहाकि सभी लोगों को इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। इस अवसर पर राजेश कुमार प्रधानाध्यापक, मौलाना मोहम्मद मुरसलीन प्रधानाध्यापक, शमीम अहमद उप प्रधानाध्यापक, मोहम्मद दिलशाद अध्यापक, मोहम्मद कलीम, अरशद अली, मुजाहिद हसन आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

'मन की बात' और 'पन्ना की तमन्ना'

साल 1973 में एक फिल्म आई थी-हीरा पन्ना। इस फिल्म में एक गीत है 'पन्ना की तमन्ना है कि हीरा मुझे मिल जाये...।' यहां जिक्र मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के पन्ना जिले का हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के संबोधन के 24 घंटे बाद पन्ना से बड़ी खबर निकल कर आई है कि यहां केन नदी के घड़ियाल अभयारण्य में अब सबसे आधुनिक घड़ियाल ब्रीडिंग सेंटर बनेगा। इसकी कवायद भी शुरू हो गई है। इस अभयारण्य को लुप्तप्राय घड़ियाल या भारतीय मगरमच्छ का घर कहा जाता है। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने 25 फरवरी (रविवार) को 'मन की बात' में जीवन में तकनीक के महत्व की बात की। उन्होंने अपने संबोधन में डिजिटल गैजेट्स की सहायता से वन्य जीवों के साथ तालमेल बिठाने का जिक्र किया। कहा- तीन मार्च को विश्व वन्य जीव दिवस मनाया जाएगा। इस साल इसकी थीम में डिजिटल इनोवेशन को सर्वोपरि रखा गया है। देश में वन्यजीवों के संरक्षण में अब तकनीक का खूब उपयोग हो रहा है। उत्तराखंड के रुड़की में विकसित ड्रोन की मदद से केन नदी में घड़ियालों पर नजर रखने में मदद मिल रही है। इस ड्रोन को रोटर प्रिसेशन ग्रुप ने देहरादून स्थित भारतीय वन्य जीव संस्थान के साथ मिलकर तैयार किया है। केन नदी में घड़ियाल पुनर्स्थापना प्रोजेक्ट के प्रभारी रमेश कुमार मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की सहायता से तैयार ड्रोन के सर्वे में केन में 10 घड़ियालों की मौजूदगी सामने आई है। कटनी से लेकर उत्तर प्रदेश के बांदा तक पूरी नदी का ड्रोन सर्वे हो रहा है। यह ड्रोन पानी के भीतर की तस्वीरें लेने में सक्षम है। यह सात किलोमीटर दूर तक जाकर और पांच सेंटीमीटर तक की चीजों को मॉनिटर कर सकता है। 450 किलोमीटर लंबी केन नदी का सर्वे जल्द पूरा होने की उम्मीद है। जिस तरह पन्ना में टाइगर खत्म होने के बाद यहां दोबारा टाइगर बसाए गए, ठीक उसी तर्ज पर घड़ियालों की पुनर्स्थापना का प्रोजेक्ट शुरू होना है। इसकी पुनस्थार्पना ग्रेटर पन्ना लैंडस्कैप प्लान के तहत की जानी है। सनद रहे 1985 में विश्व प्रसिद्ध खजुराहो के पास केन नदी और कुड़ार नदी के संगम पर रानेफॉल क्षेत्र में घड़ियाल सेंचुरी स्थापित की गई थी। तत्कालीन सरकार की उदासीनता से यहां घड़ियालों को नहीं बचाया जा सका। अब मौजूदा सरकार ने इस पर भगीरथ प्रयास शुरू किए हैं। प्रोजेक्ट प्रभारी रमेश ने कहा कि अब यहां सबसे आधुनिक घड़ियाल ब्रीडिंग सेंटर बनेगा। केंद्र सरकार ने इसकी मंजूरी दी है। इसके साथ ही पन्ना में भारत का पहला वाइल्ड लाइफ इंटीग्रेटेड लर्निंग एंड रिसर्च सेंटर भी बनेगा। दरअसल केन मध्य भारत की प्रमुख नदी है। यह दो राज्यों मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश बहती है। केन नदी घाटी का कुल जलग्रहण क्षेत्र 28,058 वर्ग किलोमीटर है। इसका उद्गम स्थल जबलपुर जिले की कैमूर पर्वतमाला के उत्तर-पश्चिम ढलान पर अहिरगवां गांव के पास है। यह उत्तर प्रदेश के चिल्ला गांव के पास यमुना नदी में मिलती है। केन नदी के तट पर कुछ महल भी हैं। अब यह खंडहर की स्थिति में हैं। बांदा शहर केन नदी के तट पर स्थित है। यहां केन नदी अपने दुर्लभ शजर पत्थर के लिए प्रसिद्ध है। साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स, रीवर ऐंड पीपल संगठन ने जून 2017 में केन नदी की पदयात्रा की थी। यह तीन चरणों में अप्रैल 2018 में पूरी हुई। इस यात्रा का मकसद बांदा और पन्ना जिलों में केन नदी के तटों पर स्थित 100 ये अधिक गांवों का हाल जानना था। 60 से अधिक गांववालों से केन नदी के अतीत एवं वर्तमान स्थिति पर बात की गई।

सीट बंटवारे से मजबूत होगा इंडिया गठबंधन

रमेश सर्राफ धमोरा

> असम में बदरुद्दीन अजमल की आल इंडिया यूनाईटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट पार्टी के साथ जब तक कांग्रेस का गठबंधन नहीं हो जाता है तब तक वहां कांग्रेस मजबूत स्थिति में नहीं मानी जा सकती है। बदरुद्दीन अजमल का असम की राजनीति में बड़ा जनाधार है। जब-जब बदरुद्दीन अजमल व कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा है अच्छे परिणाम मिले हैं। पिछले दिनों कांग्रेस ने एकतरफा घोषणा करते हुए बदरुद्दीन अजमल की पार्टी से सभी संबंध समाप्त कर दिए थे। जिसके बाद वहां कांग्रेस अकेले ही चल रही है। इसी का फायदा उठाते हुए मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस के कई विधायकों से पाला बदल करवा लिया है। त्रिपुरा की दो सीटों पर भी कांग्रेस का माकपा से गठबंधन होने पर ही मजबूत स्थिति बन सकती है। त्रिपुरा में माकपा का व्यापक जनाधार है। वहां कांग्रेस बहुत कमजोर हो चुकी है

इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों में सीटों का बंटवारा होने लगा है। गठबंधन का प्रमुख दल कांग्रेस ने इसके लिए पहल करते हुए उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ सीटों का बंटवारा कर सीट शेयरिंग फामूर्ले को आगे बढ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस 17 व समाजवादी पार्टी 63 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। हालांकि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में 20 लोकसभा सीटों पर दावा कर रही थी। इसी तरह कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी से भी सीटों पर समझौता कर लिया है। आम आदमी पार्टी दिल्ली में दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और नयी दिल्ली लोकसभा सीट पर उम्मीदवार उतारेगी। जबकि कांग्रेस तीन सीटों चांदनी चैक, उत्तर पश्चिम दिल्ली और उत्तर पूर्वी दिल्ली पर चुनाव लड़ेगी। चंडीगढ़ की सीट पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी। वहीं गुजरात में 24 सीटों पर कांग्रेस व दो सीटों भरूच व भावनगर में आप चुनाव लड़ेगी। हरियाणा की 10 में से 9 सीटों पर कांग्रेस व कुरुक्षेत्र में आप चुनाव लड़ेगी। गोवा की दोनों सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी। पंजाब की तेरह लोकसभा सीटों पर कांग्रेस व आम आदमी पार्टी दोनों के प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा, गुजरात व गोवा में आम आदमी पार्टी से सीटों का गठबंधन कर कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में सीटों के बंटवारे को लेकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे से एक घंटा तक टेलीफोन पर बातचीत कर वहां महाविकास अघाड़ी में सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। आने वाले कुछ दिनों में महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ दलों के खिलाफ महाविकास अघाड़ी में शामिल सभी चारों दलों में सीटों का बंटवारा हो जाएगा। बिहार में भी कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू कर दी है। कांग्रेस नेतृत्व को आशा है कि आने वाले कुछ दिनों में बिहार में सभी विपक्षी दल एक साथ मिलकर आपसी सहमति से सीटों का बंटवारा कर चुनाव में उतरेंगे। हालांकि पश्चिम बंगाल में अभी तक कांग्रेस व ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के बीच चुनावी गठबंधन नहीं हो पाया है। इंडिया गठबंधन में शामिल वामपंथी दलों

के लिए ममता बनर्जी ने पहले ही पश्चिम बंगाल में सीटों के बंटवारे को लेकर इनकार कर दिया था। ममता बनर्जी कांग्रेस को मौजूदा दो सीट देना चाहती है। हालांकि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस व तृणमूल कांग्रेस में सीट बंटवारे को लेकर एक बार फिर बातचीत शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। संदेशखाली की घटना के बाद ममता बनर्जी दबाव में आई हुई है। इसी के चलते ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को पांच सीट देकर समझौता कर सकती है। पश्चिम बंगाल में जब तक वामपंथी दलों के साथ समझौता नहीं होगा तब तक बीजेपी विरोधी वोटो को बिखरने से नहीं रोका जा सकेगा। केरल में कांग्रेस व वामपंथी दलों का अपना-अपना एलायंस बना हुआ है। वहां दोनों ही एलांयसों के अंदर तगड़ा मुकाबला होगा। केरल में कांग्रेस, वामपंथी दल आमने-सामने होकर चुनाव लड़ेंगे। पिछले लोकसभा चुनाव में केरल में वामपंथी दलों को मात्र एक लोकसभा सीट मिली थी। जबकि केरल में वामपंथी दल की लगातार दूसरी बार सरकार चल रही है। तमिलनाडु में कांग्रेस ने पिछली बार द्रुमक के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था जिसमें वामपंथी दल भी शामिल थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को तमिलनाडु में आठ सीटों पर व वामपंथी दलों को चार सीटों पर जीत मिली थी। मगर इस बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कांग्रेस को 9 के बजाय 7 सीट देने की ही बात कर रहे हैं। जबकि कांग्रेस वहां 16 सीट मांग रही है। द्रुमक सुप्रीमो स्टालिन ने तमिलनाडु में लंबे समय से सहयोगी रही इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को रामनाथपुरम सीट व कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके) को नमक्कल सीट देकर सीट शेयरिंग के फामूर्ले को आगे बढ़ा दिया है। मगर तमिलनाडु में जब तक द्रमुक का कांग्रेस व वामपंथी दलों से सीटों का बंटवारा नहीं हो जाता तब तक वहां इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे का काम अधूरा ही माना जाएगा। झारखंड में कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोचा, राजद के साथ सीटों का समझौता करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव में झारखंड की 14 में से कांग्रेस व झारखंड मुक्ति मोर्चा को एक-एक सीट पर जीत मिली थी। जबकि भाजपा ने वहां 12 सीट जीती थी। मगर इस बार वहां झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार में कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल शामिल हैं। ऐसे में वहां इंडिया गठबंधन भाजपा को कड़ी टक्कर देने की स्थिति में है।

असम में बदरुद्दीन अजमल की आल इंडिया यूनाईटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट पार्टी के साथ जब तक कांग्रेस का गठबंधन नहीं हो जाता है तब तक वहां कांग्रेस मजबूत स्थिति में नहीं मानी जा सकती है। बदरुद्दीन अजमल का असम की राजनीति में बड़ा जनाधार है। जब-जब बदरुद्दीन अजमल व कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा है अच्छे परिणाम मिले हैं। पिछले दिनों कांग्रेस ने एकतरफा घोषणा करते हुए बदरुद्दीन अजमल की पार्टी से सभी संबंध समाप्त कर दिए थे। जिसके बाद वहां कांग्रेस अकेले ही चल रही है। इसी का फायदा उठाते हुए मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस के कई विधायकों से पाला बदल करवा लिया है। त्रिपुरा की दो सीटों पर भी कांग्रेस का माकपा से गठबंधन होने पर ही मजबूत स्थिति बन सकती है। त्रिपुरा में माकपा का व्यापक जनाधार है। वहां कांग्रेस बहुत कमजोर हो चुकी है। ऐसे में यदि कांग्रेस का माकपा के साथ सीटों की शेयरिंग हो जाती है तो दोनों ही दलों को फायदा मिल सकता है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान जैसे प्रदेशों में कांग्रेस की सीधी भाजपा व अन्य क्षेत्रीय दलों से लड़ाई है। आंध्र प्रदेश में एक तरफ सत्तारूढ़ जगनमोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी खड़ी है। तो दूसरी तरफ तेलुगु देशम पार्टी ने फिल्म एक्टर पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ सीटो पर समझौता कर विधानसभा की 118 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। वहीं भाजपा के भी तेलुगु देशम पार्टी के साथ गठबंधन करने की चर्चा जोरों पर है। ऐसे में वहां कांग्रेस को त्रिकोणीय मुकाबला करना होगा। तेलंगाना में कांग्रेस ने हाल ही में भारत राष्ट्रीय समिति के के. चंद्रशेखर राव को हराकर सत्ता हासिल की है। वहां कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति व भाजपा में तिकोना संघर्ष होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस का सीधा भाजपा से मुकाबला होगा। वही उड़ीसा में बीजू जनता दल, भाजपा व कांग्रेस में तिकोना संघर्ष होगा। पंजाब में आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के अलग-अलग चुनाव लड़ने से कई सीटों का नुकसान उठाना पड़ सकता है। पिछले दिनों भाजपा इंडिया गठबंधन पर सीटों का बंटवारा नहीं होने के चलते कई तरह के आरोप लगा रही थी।

मगर कांग्रेस ने सीट शेयरिंग की दिशा में बड़े कदम उठाते हुए कई दलों के साथ गठबंधन कर इंडिया गठबंधन में शामिल दलों में सीट बंटवारे की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। इससे आने वाले कुछ दिनों में सभी सीटों पर गठबंधन होने की संभावना नजर आने लगी है। यदि इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल आपसी सहमति से सीटों का बंटवारा कर एक साथ चुनाव मैदान में उतरेंगे तो निश्चय ही भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकेंगे।

कविता

बन चुका होशियार

है रखता बातों के नश्तर को
बना करके घातक हथियार,
हां भई वो बन चुका है होशियार,
अपनी बातों को सच साबित करने
पूरे परिवार से अब लड़ता है,
सोशल मीडिया में लिख लिख
अपने विरोधियों से झगड़ता है,
था कभी शौकीन माहौल का,
अब सामान पसंद है मॉल का,
बेतुके तर्क देते हैं कमाल का,
खिल्ली उड़ाने से गुरेज नहीं
किसी मजलूम के मौजूदा हाल का,
नाव में बैठते ही कहता है
अब नहीं चाहिए पतवार,
हां भई वो बन चुका है होशियार,
अब तो दलाली पसंद है और
समाज के दलाल भी पसंद है,
किसी को लाभ कभी न हो
ऐसा सोचने वाला शानदार हुनरमंद है,
बना लिया है अपना एटिट्यूटअमीरों वाला,
शायद नहीं रहा वो जमीरों वाला,
खुद को छप्पन भोग मिले
समाज को मिले या न मिले निवाला,
चेहरे पर कुटिल मुस्कान रख
दिखना चाहता है भोला भाला,
शरीर से स्वस्थ शायद दिमाग से बीमार,
हां भई वो बन चुका है होशियार,
हां भई वो बन चुका है

राजेन्द्र लाहिरी

धूमिल होती सरकार की छवि !

डॉ अजय कुमार मिश्रा

उत्तर प्रदेश पुलिस दुनियां की सबसे बड़ी संख्या बल वाली पुलिस है, जिसमें 2.25 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत है` विभाग में चल रही भर्ती को सरकार ने रद्द करके आगामी 6 माह में पुनः परीक्षा की घोषणा की है` निसंदेह पुनः परीक्षा में सजगता देखने को मिलेगी, जिससे पेपर लीक को रोका जा सकेगा` पर इस विषय पर कुछ अधिक कहने और लिखने से पहले कुछ मूल तत्त्वों को भी जानना जरुरी है` कुल 60244 पदों की भर्ती के लिए परीक्षा फरवरी 16 से 18 के मध्य उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में 2385 केंद्र बनाकर आयोजित हुयी थी` इस भर्ती के लिए दिसम्बर 2023 में विज्ञापन निकाला गया था ` 48.17 लाख ऑनलाइन आवेदन 27 दिसम्बर 2023 से 16 जनवरी 2024 के मध्य प्राप्त हुए थे` इन प्राप्त आवेदनों में लगभग 2.5 लाख बिहार से, 43 लाख उत्तर प्रदेश से, 98,400 मध्य प्रदेश से, 74,769 हरयाणा से, 97,277 राजस्थान से, 42,259 दिल्ली से और 3404 आवेदक पंजाब से थे` किन्ही कारणों से लगभग 5.03 लाख आवेदक परीक्षा में शामिल नहीं हुए` इन सभी में महत्वपूर्ण यह भी है की इस भर्ती के लिए उम्र की बाध्यता 18 से 25 उम्र की थी` परीक्षा का निरस्त होना कई प्रश्नों को इक साथ जन्म देता है` पुलिस भर्ती परीक्षा में पहले दिन की परीक्षा से ही युवा पेपर लीक होने का आरोप लगा रहें थे परन्तु सरकारी तंत्र इस बात को स्वीकार नहीं कर रहा था` 1500 से अधिक शिकायत साक्ष्यों के साथ अलग झ अलग जगहों से भेजी गयी ` भारी संख्या में युवाओं का दल लखनऊ में भी धरने पर रहा` अत्यधिक विरोध के पश्चात सरकार ने परीक्षा को रद्द करने और पुनः परीक्षा कराने की घोषणा की` जिसके पश्चात अभ्यर्थी उत्साहित भी दिखे, परन्तु यह सोचने और समझने का विषय है की जिस भर्ती में चयन के पश्चात अवसर प्राप्त होता उसी भर्ती को रद्द कराने के लिए युवाओं को लड़ना पड़ा` क्या यह पूरे प्रदेश के भर्ती प्रणाली पर बड़ा प्रश्न नहीं है ? उत्तर प्रदेश में नई भर्ती होने की परीक्षा का पेपर लीक होना अब आम बात बन गया है` इसके पूर्व भी कई बार पेपर लीक हुआ है` सरकार कड़ी कार्यवाही करके या करने का भरोसा देकर अपना पल्ला झाड़ लेती है` यह कितना अनुचित और अव्यवहारिक है की सरकार अपनी ही गलतियों से नही सीख रही और कड़े प्रबंधन करने में विफल है जिसका खामियाजा लाखों लोगों को उठाना पड़ रहा है`

अनेकों लोगों का एक साथ सपना टूटना कितना भयावह है इसका अनुभव आर्थिक, सामाजिक, और परिवारिक दबाव झेल रहा बेरोजगार युवा ही समझ सकता है`अव्यवस्था का आलम अक्सर देखने को मिलता रहता है ` दो लाख से अधिक युवाओं का परीक्षा केंद्र लखनऊ बनाया गया था जिससे रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड सभी जगह अव्यवस्था देखने को मिली` अव्यवस्था का आलम यह था की अधिकांश युवाओं को अगले दिन वापस जाने का इंतेजार करना पड़ा।

विचार

कानून के असम्मान की गलत परंपरा डालते केजरीवाल

आशीष वशिष्ठ

शराब नीति में हुए घोटाले के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी सात समन जारी कर चुका है। लेकिन केजरीवाल कोई न कोई बहाना बनाकर जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हो रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने ईडी के समन को गैर कानूनी बता रही है। अन्ना आंदोलन के समयअरविंद केजरीवाल बड़ी-बड़ी बातें करते थे। उस समय वह कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने की बात करते थे, आज उनकी पार्टी के नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। वो स्वयं भी संदेह के घेरे में हैं। प्रश्न यह उठता है कि वह जांच से क्यों भाग रहे हैं? केजरीवाल संवैधानिक जांच एजेंसियों के सामने उपस्थित क्यों नहीं होते? क्या इनके समन को स्वीकार न करना असंवैधानिक नहीं है? क्या आम आदमी इन एजेंसियों के समन को लगातार खारिज कर सकता है? ईडी और सीबीआई सरीखी एजेंसियों को संवैधानिक, संघीय मान्यता हासिल है कि वे देश के प्रधानमंत्री को भी जांच के लिए तलब कर सकती हैं। न्यायालय का इस व्यवस्था पर एक स्पष्ट आदेश जरूर आना चाहिए। यह शर्मनाक है कि एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति जांच से भाग रहा है। एक राज्य का मुख्यमंत्री अगर कानून का उपहास उड़ाएगा, कानून के पालन में आना-कानी, चलाकियां और चालबाजियां करेगा तो आम व्यक्ति को क्या संदेश जाएगा? ईडी के समन की लगातार अनदेखी करके केजरीवाल कानून के असम्मान की गलत परंपरा के बीज बो रहे हैं? केजरीवाल की देखा देखी आने वाले समय में दूसरे व्यक्ति भी इसी तरह कानून के पालन में आनाकानी करें, तो कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए! ईडी ने केजरीवाल को पहला समन 2 नवंबर 2023 को भेजा था। इस समन पर वह पेश नहीं हुए। बीती 22 फरवरी को केजरीवाल को सातवां समन भेजकर 26 फरवरी को जांच के लिए बुलाया। लेकिन केजरीवाल इसे अवैध बताते हुए इसमें शामिल नहीं हुए। केजरीवाल ने हमेशा इन नोटिस को अवैध बताया है और पेश नहीं हुए हैं। उन्होंने इन समन को राजनीति से प्रेरित बताया था। केजरीवाल ने ईडी की कार्रवाई के पीछे के मकसद पर भी सवाल उठाया था।

उन्होंने बीजेपी पर गिरफ्तार कराने का आरोप लगाया। हालांकि 17 फरवरी को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंस से अदालत में पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को आश्वासन दिया था कि वे दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र समाप्त होने के बाद मार्च में शारीरिक रूप से पेश होंगे। इसके बाद अदालत ने आश्वासन को स्वीकार करते हुए सुनवाई 16 मार्च तय कर दी। अदालत ने उन्हें ईडी द्वारा उनके खिलाफ जारी समन का पालन न करने पर तलब किया था। अभी अधिकतम समन पर जांच एजेंसी के समक्ष जो पेश नहीं हुए उनमें झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अव्वल नंबर पर है। उन्होंने पिछले साथ दो नवंबर से पिछले हफ्ते तक कुल 7 समन स्किप किए है। केजरीवाल भी इस समन को स्किप करके हेमंत सोरेन की बराबरी पर आ गए हैं। हालांकि, हेमंत सोरेन को ईडी बीती 31 जनवरी को गिरफ्तार कर चुकी है। इन समन को छोड़ना केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ा सकता है. क्योंकि, लगातार समन को छोड़ना ईडी की धारा 19 के तहत असहयोग के लिए अभियोग की जमीन मजबूत कर रहा है। केजरीवाल संवैधानिक पद पर हैं और संविधान, लोकतंत्र बचाने के नारों पर राजनीति करते रहे हैं। फिर ईडी के समन को बार-बार अवैध करार देना क्या संविधान-सम्मत है?

केजरीवाल ने एक बार विधानसभा सत्र और विश्वास प्रस्ताव को बहाना बनाकर ईडी और न्यायालय की पेशी से राहत मांगी थी। राहत तो मिल गई, लेकिन यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण है कि केजरीवाल को 70 विधायकों के सदन में 62 विधायकों का प्रचंड बहुमत हासिल है, तो फिर सत्ता-पक्ष को विश्वास-मत का प्रस्ताव क्यों पेश करना पड़ा? विपक्ष ने तो अविश्वास व्यक्त नहीं किया था। इसी तरह केजरीवाल कभी राज्यसभा चुनाव, तो कभी चुनाव-प्रचार का बहाना बना कर ईडी के समन को अस्वीकार करते रहे हैं। एक राजनेता की दिनचर्या अममून व्यस्त ही रहती है, तो क्या जांच एजेंसी के संवैधाानिक दायित्वों को वो हवा में उड़ाता रहेगा?

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी

समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)

स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)

actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

व्यंग्य

हम हैं गपोड़ी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

बैक बेंचरों में गप्प हाँकना एक सृजनात्मक कार्य है। यदि कोई गप्प हाँकने की कला में पटु है और सपने में अक्सर दूर के ढोल सुहावने दिखाई दें तो समझिये कि किसी न किसी की मेहनत लूटने वाली है। या यूँ कहिए कि ईमानदारी और मेहनत के घर घपले का जन्म होने वाला है। जमाने की आर्द्रता में गप्प हाँकुड़ों की नमी हो, तो वहाँ कथनी दिल्ली और करनी चौखट पर दिखाई देगी। बैक बेंचर केवल बैक बैंचर नहीं होते, बल्कि आफत-ए-सरदार होते हैं। जो जितना गप्प हाँकता है, वह उतना ही ऊँचा उठता जाता है।

वैसे इन गप्प हाँकुड़ों का क्षेत्र काफी घेराव लिए होता है। जमीन खरीदने-बेचने के फील्ड में ये उतर आएँ तो वे हाथ आजमाने की जगह मुँह आजमाने लगते हैं। इन गप्प हाँकुड़ों की चले तो प्लाट के बगल से मेट्रो नहीं जाएगी, बल्कि मेट्रो सवारियों को सीधे उनके घर जा-जाकर उतारेगी। गप्प हाँकुड़ों के जबड़े हमेशा लटके होते हैं। यहाँ तक कि मरते समय भी। अब भला मुँह का यंत्र चल-चलकर लटकेगा नहीं तो जुड़कर रहेगा। खूब बतकही करने से जबड़े के न दिखाई देने वाले पेंच ढीले पड़ जाते हैं। ऐसे में मुँह का खुला रहना लाजमी है। गप्प हाँकुड़ों का सपना होता है कि मौका मिले तो एक बार लालकिले से गप्प हाँक लें। लेकिन वे भूल जाते हैं कि सरकार से बढ़कर कोई दूसरा गप्प नहीं हाँक सकता। सरकारी गप्प अक्सर शासनादेश की तरह होता है, और वह भी न समझ में आने वाली सरकारी भाषा में। इन गप्पों को नकारने में भूलसुधार कम, ढोंग-दिखावा का दावा अधिक होता है। सबसे बड़ी बात यह है कि गप्प करने का कोई समय, स्थान, धर्म, आचार-विचार, रंग-रूप नहीं होता है। बैक बैंचरों के पास हर समय गप्प हाँकने का समय होता है। आगे चलकर यही बहुसंख्यक बनते हैं फिर उन्हें रोटी चाहे न मिले, पर गप्प की खुराक बराबर चाहिए होती है। जब तक गप्प न हो उनका पेट नहीं भरता है। इडियट बॉक्स टीवी पर अनगिनत चैनल हैं और टीआरपी गप्प उड़ा ले जाता है। लालकिला गप्प हाँकने का सबसे बड़ा केंद्र है। सर्दी-बरसात में यहाँ से ऐसे गप्प हाँके जाते हैं कि गर्मी में यहाँ आने की जरूरत ही नहीं पड़ती। देश का सबसे बड़ा गप्प हाँकडु अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा कर मीडिया को अपनी जेब में लिए घूमता है। दुनिया को दिल का दौरा पड़ता है तो गप्प हाँकुड़ों को लंबी-लंबी फेंकने का।

जनसंख्या और संसाधन के अंतसंर्बंध

डा मनमोहन प्रकाश

भारत में जनसंख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है और हर छोटा-बड़ा गांव, कस्बा ,शहर इसमें सह भागी बन रहा है। जनसंख्या का सही आकड़ा तो भारत की राष्ट्रीय जनगणना के बाद ही प्राप्त हो सकेगा।किन्तु कहा तो यहां तक जा रहा है कि भारत ने जनसंख्या के मामले में विश्व में चीन को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। प्रथम स्थान पर आना अच्छी बात है, सम्मान जनक है, पर जनसंख्या के मामले में भारत का प्रथम स्थान पर आना किसी भी दृष्टि से अच्छा नहीं माना जा सकता। क्योंकि भारत जैसे राष्ट्र के लिए अपने शत-प्रतिशत नागरिकों को अच्छा स्वास्थ्य, अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार, अच्छा वातावरण, अच्छा रोटी- कपड़ा-मकान उपलब्ध कराना, अच्छी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करना उस समय भी भी मुश्किल था जब भारत जनसंख्या में चीन से पीछे था और आज जब भारत चीन से जनसंख्या में आगे है तो कितना मुश्किल होने वाला है? अनुमान लगाया सकते हैं। कारण स्पष्ट हैं, जिस अनुपात में जनसंख्या बढ़ रही है,उस अनुपात में संसाधन नहीं बढ़ रहे हैं, अपितु या तो कम हो रहे हैं,या दूषित हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भारत का क्षेत्रफल सीमित है, साथ ही उपलब्ध जल, जंगल, जमीन तथा नॉन-रिन्यूएबल संसाधन भी सीमित हैं। रिन्यूएबल संसाधनों का शतप्रतिशत रिन्यूएबल भी नहीं हो पा रहा है। भविष्य में जलवायु तथा विकास के लिए आवश्यक अन्य परिस्थितियों तथा वस्तुओं के हमेशा अनुकूल रहने की कोई गारंटी भी नहीं है।ऐसे में केन्द्र की सरकार तथा राज्यों की सरकारों का विवेक पूण धारीय विकास करना, संसाधनों के उपयोग में मितव्ययिता बरतना, गांव, कस्बों, शहरों, मेट्रोपोलिटन शहरों में बढते जनसंख्या के दबाव को ध्यान में रखते हुए आम-आदमी की आवश्यकताओं और पर्यावरण को ध्यान में रखकर विकास करना पहले भी कठिन था, वर्तमान में भी कठिन हो रहा है और भविष्य में भी कठिन रहने वाला है। क्योंकि जनसंख्या और संसाधनों के बीच एक स्थापित-सत्य यह है कि जिस देश में संसाधन अधिक हैं और जनसंख्या कम है तो उस देश में तीव्र गति से विकास होने की संभावनाएं हैं, वहीं दूसरी ओर यदि स्थितियां इसके विपरीत हैं अथार्त जनसंख्या ज्यादा है।

न्यूज फ्लैश

नशे में धुत्त कैंटर चालक ने तोड़े बिजली के पांच खंभे

राजकुमार प्रिंस

करनाल। सेक्टर-16 में देर रात सामान से लोड एक कैंटर ड्राइवर ने बिजली के पांच खंभों को तोड़ दिया। आरोपी ड्राइवर नशे में धुत था। आसपास के लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद तारों से लिपटे कैंटर ड्राइवर को बाहर निकाला। रात से अब तक बिजली आपूर्ति सुचारू नहीं हो पाई है। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को मौके पर ही हिरासत में ले लिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि दिन के समय बाजारों में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक है। रात के समय ही ट्रक आदि शहर में इंट्री लेते हैं। रविवार रात करीब साढ़े 11 बजे एक कैंटर सामान लोड करके हाईवे की तरफ जा रहा था। जब सेक्टर 16 में एंट्री करने लगा तो सामने खड़े एक के बाद एक कुल 5 बिजली के खंभों में टक्कर मार दी, जिससे बिजली की तारों में कैंटर पूरी तरह से फंस गया। वारदात के बाद जब आरोपी ड्राइवर गाड़ी को बैक लेकर जाने लगा तो टूटी हुई बिजली की तारों में और फंस गया। रात को मौके पर मौजूद राम सिंह ने बताया कि जब आरोपी भागने लगा तो बिजली की तारें आपस में टकरा गई और करंट होने के चलते फॉल्ट हो गया। इसके बाद बिजली चली गई।

सेक्टर 16 निवासी सुखबीर ने बताया कि पहले भी यहां पर कई हादसे हो चुके हैं। रात होने के कारण सडक पर कोई व्यक्ति न तो पैदल घूम रहा था और न ही सडक पर वाहन थे। जिस समय हादसा हुआ, सभी खंभों की तारें सडक पर आ गिरी थी, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

सुखबीर ने बताया कि रात से सेक्टर 16 सहित आसपास के ढाई से 3 हजार घर अंधेरे में हैं। इसके अलावा आसपास सेक्टर-3 के एरिया में भी यहीं से बिजली सप्लाई होती है, जहां पर सभी फैक्ट्रियां हैं। वहां पर 13 घंटे से बिजली नहीं है। बिजली न होने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बोंगो भाषी महासभा फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बंगाली सम्मेलन और पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया

नई दिल्ली: बंगबाशी महासभा फाउंडेशन (बीबीएमएफ) ने नई दिल्ली में विश्व युवक केंद्र में एक प्रतिष्ठित सभा की मेजबानी की, जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बंगालियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। श्री तथागत रॉय (त्रिपुरा, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल), श्री बिप्लप रॉय (सद्भावना राजदूत, आईआईए भारत, आधिकारिक भागीदार यूनेस्को), बीबीएमएफ के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. परिमल मंडल और महासचिव डॉ. शुभ्रो चक्रवर्ती और भारत, बांग्लादेश, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और जर्मनी के विशिष्ट अतिथियों के साथ इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल डॉ. तथागत रॉय ने कहा, "बंगाली विश्व स्तर पर चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा होने, यूनेस्को द्वारा इसे "सबसे मीठी भाषा" के रूप में मान्यता दिए जाने और इसकी प्राचीन उत्पत्ति 3500 ईसा पूर्व की होने के बावजूद, इसे अभी तक भारत सरकार द्वारा शास्त्रीय भाषा के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है। दुनिया भर के सभी सनातनी बंगालियों को एकजुट होना चाहिए और अन्याय के खिलाफ खड़ा होना चाहिए ।" बोंगो भाषी महासभा फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. परिमल कांति मंडल ने कहा, "भारत सरकार को बंगाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देनी चाहिए।"

0 से 5 वर्ष की आयु का कोई भी बच्चा पोलियो की दवाई से नहीं रहे वंचित: पिलानी

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 3 मार्च से 5 मार्च तक जिला में 175470 लक्षित बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो दवाई

राजकुमार प्रिंस

करनाल। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 3 मार्च से 5 मार्च तक चलाया जाएगा। इस अभियान को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित हुई। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की सफलता के लिए तैयारियों की समीक्षा की और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग को अपना भरपूर सहयोग दें और अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि

0 से 5 वर्ष की आयु का कोई भी बच्चा पोलियो की दवाई से वंचित न रहे। विशेषतौर पर स्लम एरिया, ईंट भट्टा, बस अड्डा, रेलवे स्टेशन इत्यादि स्थानों पर पोलियो बूथ अवश्य बनाए जाए।

उन्होंने जिला खाद्य आपूर्ति एवं नियंत्रक को निर्देश दिए कि वे ईंट भट्टों पर कार्य करने वाले श्रमिकों के बच्चों को पोलियो रोधक दवा पिलवाना सुनिश्चित करें। इसके लिए एक नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया जाए जोकि स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित करता रहे। उन्होंने डीडीपीओ को निर्देश दिए कि वे ग्राम पंचायतों के माध्यम से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के बारे में गांवों में मुनियादी करवाएं। इसी प्रकार से जिला शिक्षा अधिकारी उक्त अभियान की जानकारी स्कूली बच्चों तक पहुंचवाएं। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि वे आंगनवाड़ी केन्द्रों से 0 से 5 पांच वर्ष की आयु के सभी बच्चों को पोलियो दवा पिलवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जीएम रोडवेज को निर्देश दिए कि वे इस अभियान के अंतर्गत सभी बस अड्डों तथा बसों में यात्रा करने वाले बच्चों की सुविधा के लिए पोलियो बूथ पर थोड़ी देर के लिए बसों का ठहराव अवश्य करवाएं। सिविल सर्जन डा.कृष्ण कुमार ने बताया कि हरियाणा प्रदेश के सभी जिलों में 3 मार्च से 5 मार्च 2024 तक नेंशनल पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा।

जिला करनाल में 0 से 5 साल तक के 175470 बच्चों को दवाई पिलाने के लिए 868 बूथ और 1523 हाऊस टू हाऊस टीमे बनाई गई है। जिनकी निगरानी 157 सुपरवाईजर द्वारा की जाएगी। जिले मे कुल 71 मोबाईल टीमों जिसमे 36 ट्रांजिट टीम तथा कुल 3573 कर्मचारी व अधिकारी इस कार्य में भाग लेगें।

युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में आरोपी काबू

राजकुमार प्रिंस

करनाल। नमस्ते चौक पर युवक की सिर में दो गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आज दोपहर बाद आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसका दो दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी।

सिटी थाना के जांच अधिकारी सुल्तान सिंह ने बताया कि बीती 19 फरवरी की शाम को सेक्टर-13 निवासी शंकर की उसी के दोस्त आरोपी दिनेश ने रंजिश के चलते गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को सेक्टर-4 गिरफ्तार किया गया। जांच अधिकारी ने बताया कि अब तक पूछताछ में सामने आया है कि मृतक शंकर और आरोपी दिनेश पिछले चार साल से दोस्त थे। वह एक-दूसरे के घर आते-जाते रहते थे। आरोपी दिनेश भी शंकर के घर जाता रहता था। शंकर को महसूस हुआ कि दिनेश की उसकी पत्नी पर गलत नजर है। इसके बाद शंकर ने आरोपी दिनेश को घर आने के लिए मना कर दिया। इस बात के लिए आरोपी दिनेश शंकर से रंजिश रखने लगा।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि इस बात को लेकर शंकर और उसके बीच में कई बार कहासुनी भी हुई थी। फिर 19 फरवरी को तैश में आकर उसने नमस्ते चौक पर स्थित दीप इंटरप्राइजेज पर जाकर शंकर के सिर में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। आरोपी दिनेश शंकर को गोली मारने के बाद जब वहां से जाने लगा तो दुकान के बाहर मालिक व अन्य व्यक्ति ने उसे पकडने की कोशिश की थी। इसके बाद आरोपी उन्हें पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके फरार हो गया था।

बेटियों की शादी के लिए एंटी करप्शन ऑफ इंडिया ने की मदद

राजकुमार प्रिंस

करनाल। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया जहां एक तरफ अवेयरनेस अगेंस्ट करप्शन के लिए देशभर में विशेष भूमिका निभा रहा है। वहीं दूसरी ओर समाजसेवा के क्षेत्र में भी नए मुकाम हासिल कर रहा है। इसी कड़ी में फाउंडेशन द्वारा मानव सेवा संघ में होने वाली बेटियों की शादी के लिए जरुरत का सामान उपलब्ध करवाया गया।

एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की टीम ने नैशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा एवं राष्ट्रीय महासचिव पवन शर्मा के नेतृत्व में मानव सेवा संघ पहुंचकर शादी का सामान स्वामी प्रेममूर्ति को सौंपा। प्रोजेक्ट इंचार्ज राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष डॉ.निशा गुप्ता रही। निशा गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने सामर्थ्य के अनुसार जरुरतमंद लोगों की सहायता करनी चाहिए।

नरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि मानव सेवा संघ द्वारा 17 मार्च को बेटियों की शादी करवाई जा रही है। इसके लिए फाउंडेशन द्वारा शादी की जरुरत का सामान उपलब्ध करवाया गया है। फाउंडेशन द्वारा एंटी करप्शन जागरूकता के लिए कार्य किया जा रहा है।

किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में हुई लापता

राजकुमार प्रिंस

करनाल। कस्बा घरौंडा की एक कॉलोनी से संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता हो गई। किशोरी रविदास जयंती में सेवा की कहकर गई थी। छात्रा गांव के स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ती थी। परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस को की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपहरण के तहत मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। नाबालिग की मां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि उसके पास दो लडकी व एक लडका है। उसकी 17 वर्षीय लडकी 24 फरवरी को दोपहर करीब तीन बजे रविदास जयंती में सेवा करने की कहकर गई थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटी। जयंती समारोह स्थल व अन्य जगहों पर काफी तलाश की गई, लेकिन उसका कहीं कोई अता-पता नहीं चल पाया।

प्रदेश में कानून व्यवस्था हो चुकी है ठप: सुमिता सिंह

सवाल उठाया

8 बलात्कार के मामले जिस तरह से सामने आ रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था ठप हो चुकी है

राजकुमार प्रिंस

करनाल। पूर्व विधायक सुमिता सिंह ने कहा कि हरियाणा में हर रोज हत्या, गोलीबारी, फिरौती, अपहरण और बलात्कार के मामले जिस तरह से सामने आ रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था ठप हो चुकी है और हरियाणा जंगल राज की तरह बढ़ चुका है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश को कांग्रेस सरकार के समय विकास के रूप में जाना जाता था। उसी की पहचान आज देश में अपराध प्रदेश के रूप में बन चुकी है। हरियाणा अराजकता की भेंट चढ़ चुका है। प्रदेश में अपराध का शासन है।

सुमिता सिंह ने गत दिवस बहादुरगढ़ में इनेलो प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व विधायक नफे सिंह राठी की दिन-दिहाड़े ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर की गई हत्या की निंदा की। उन्होंने कहा कि नफे सिंह राठी दो बार बहादुरगढ़ परिषद के चेयरमैन भी रहे। उनकी हत्या एक राजनीतिक हत्या है। हरियाणा बनने के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। उन्होंने नफे सिंह राठी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनका जन्म एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। राठी ने पहलवानी में देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। इस मसले की सीबीआई या हाईकोर्ट से जांच होनी चाहिए। प्रदेश में लगातार हो रहे अपराध भाजपा सरकार के खोखले दावों की पोल खोल रहे हैं। सुमिता सिंह ने कहा कि करनाल विधानसभा क्षेत्र में लूट, चोरी, डकैती, धोखाधड़ी और महिलाओं पर अत्याचार की वारदातों में इजाफा हुआ है। कर्ण नगरी की जनता में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। भाजपा सरकार की अनदेखी के चलते प्रदेश में कानून व्यवस्था का दिवाला निकल चुका है।

गुरुद्वारा मंजी साहेब में किया गया गुरमत समागम का आयोजन

शिरोमणि संत रविदास जी के जीवन व जीवन मूल्यों से संगत को कराया अवगत शिरोमणि संत रविदास जी के जीवन व जीवन मूल्यों से

राजकुमार प्रिंस

करनाल। गुरु नानक देव जी की चरण छोह प्राप्त ऐतिहासिक स्थान गुरुद्वारा मंजी साहेब करनाल में भक्ति काल के अग्रणी भगत, शिरोमणि संत रविदास जी की जन्म जयंती को समर्पित गुरमत समागम का आयोजन किया गया व उनके जीवन व जीवन मूल्यों से संगत को अवगत किया गया।

दशमेश अखाड़ा, इंटरनेशनल सिख फोरम व गुरुद्वारा मंजी साहेब पातशाही पहली की प्रबंधक कमेटी द्वारा आयोजित गुरमत समागम में हेड ग्रंथी ज्ञानी अमृतपाल सिंह ने भगत रविदास जी के जन्म से लेकर अंत समय तक के इतिहास की जानकारी दी व उस समय के समाज

में व्याप्त भेद भाव, ऊँच नीच, जाति-पाति के खिलाफ उनके उपदेशों का वर्णन किया। हजूरी रागी भाई बलविंदर सिंह व भाई रवींद्र सिंह निमाना के रागी जत्थे ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज भगत रविदास जी के शब्दों में से कुछ शब्दों का कीर्तन किया।

इंटरनेशनल सिख फोरम के महासचिव प्रीतपाल सिंह पन्नु ने बताया कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब में शिरोमणि संत भगत रविदास

दर्ज

8 श्री गुरु ग्रंथ साहिब में शिरोमणि संत भगत रविदास जी के 40 शब्द 16 रागों में दर्ज हैं

जी के 40 शब्द 16 रागों में दर्ज हैं। दुनिया का हर सिख भगत रविदास जी को गुरु समान मानता है व श्री गुरु ग्रंथ साहेब में शामिल उनकी बानी से हुकमनामा आने पर उसे गुरु का ही हुकुमनामा मानता है। गुरुद्वारा मंजी साहेब प्रबंधक कमेटी के प्रधान गुलाब सिंह मूनक, गुरु नानक सेवक जत्थे के प्रधान रतन सिंह, दशमेश अखाड़े के प्रधान गुरतेज सिंह खालसा व इंटरनेशनल सिख फोरम के महासचिव प्रीतपाल सिंह पन्नु ने गुरमत समागम में शामिल हुई रविदास समाज की प्रमुख संस्थाओं को सम्मानित किया।

गुलाब सिंह मूनक ने बताया कि श्री गुरु रविदास सभा न्यू रमेश नगर सदर बाजार, रविदासिया समाज सेवा संघ, गुरु रविदास मंदिर जाटों गेट, गुरु रविदास मंदिर सभा सैदपुरा, अंबेडकर जन्मोत्सव सभा, हरिजन चौपाल, डॉ.भीमराव अंबेडकर सेवा दल, गुरु रविदास सभा राजीवपुरम से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए व इन सभी संस्थाओ को सम्मानित किया गया।

परीक्षा केन्द्रों के निकट जिले में 27 फरवरी से 2 अप्रैल तक निषेधाज्ञा लागू

निषेधाज्ञा

8 जिला में 27 फरवरी से 2 अप्रैल तक आपराधिक अधिनियम 1973 की धारा-144 के तहत परीक्षा केन्द्रों के निकट निषेधाज्ञा लागू की

राजकुमार प्रिंस

करनाल। जिलाधीश अनीश यादव ने एक आदेश जारी करके हरियाणा शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा आयोजित करवाई जाने वाली सेकेंडरी, सीनियर सेकेंडरी और डीएलएड की लिखित परीक्षा के दृष्टिगत जिला में 27 फरवरी से 2 अप्रैल तक आपराधिक अधिनियम 1973 की धारा-144 के तहत परीक्षा केन्द्रों के निकट निषेधाज्ञा लागू की है।

जिलाधीश ने यह आदेश उक्त परीक्षा को नकल रहित व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करवाने के लिए जनहित में जारी किए हैं। जारी आदेशों में कहा गया है कि परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि में 5 या 5 से अधिक व्यक्ति एक स्थान पर इक्के खड़े नहीं होंगे, किसी भी व्यक्ति के अग्निशस्त्र, तेज हथियार, लाठी, भाला, बरछा, जेली, गंडासा, चाकू आदि अन्य घातक हथियारों को लेकर चलने पर पाबन्दी रहेगी। यह आदेश ड्यूटी पर तैनात पुलिस व अन्य कर्मचारियों पर लागू नहीं होंगे। आदेशों में कहा गया है कि परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि के अन्तर्गत दोपहर 12 बजे से सांय 4 बजे तक सभी फोटोस्टेट की दुकानें बंद रहेगी। आदेशों की अनुपालना न करने वाले व्यक्ति पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के तहत कानूनी

यातायात जागरूकता अभियान के तहत वाहन चालकों को किया जागरूक

राजकुमार प्रिंस

करनाल। डीएसपी ट्रैफिक ओम प्रकाश के निर्देशन और प्रबंधक थाना सुरेश कुमार के नेतृत्व में आज सेक्टर 32-33 में थाना यातायात की टीम द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन करने बारे जागरूक किया गया। अभियान के दौरान वाहनों पर गति सीमा नियन्त्रण स्टीकर, रिफ्लेक्टर टेप भी लगाए गए और यातायात नियमों के पैंपलेट भी वितरित किए गए।

टीम द्वारा वाहन चालकों को बताया गया कि वाहन चालकों को वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने, वाहन चलते समय नशीले पदार्थ और बीड़ी, सिगरेट का प्रयोग भी नहीं करना चाहिए। साथ ही थाना यातायात की टीम द्वारा ट्रक चालकों को जीटी रोड पर निर्धारित बाई लेन पर चलने बारे जागरूक किया गया। ट्रक चालकों को निर्धारित गति पर अपनी गाड़ी चलाने बारे भी जागरूक किया गया।

थाना यातायात टीम से एसआई सतपाल और कॉर्डिनेटर अलका ने कहा कि अधिकतर सडक हादसे चालक की गलती से होते हैं। इसलिए वाहन चलाते समय रोंगटर्न, अवरस्पीड, रैश ड्राइविंग, सेल फोन ऑन रोड आदि पर कंट्रोल रखें। उन्होंने कहा कि सडक हादसों से बचने के लिए मार्ग पर चलते समय यातायात नियमों का सही से पालन करने पर विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

राजकुमार प्रिंस

करनाल। मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को स्थानीय क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी के सभागार में हुआ। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं इंडियन ऑयल कापोरेशन लिमिटिड के बीच अनुबंध का उद्देश्य हरियाणा के भूमिहीन बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरुष व महिला किसानों में मधुमक्खी पालन के प्रति रुचि पैदा करना व छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित

करना है, जिसके लिए इस परियोजना के तहत उन्हें आर्थिक व तकनीकी मदद प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षण हेतू कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ.महा सिंह जागलान ने करनाल जिले के विभिन्न गांवों से 30 प्रतिभागियों का चयन किया।

कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष व परियोजना अधिकारी डॉ. सुनिता यादव ने बताया कि प्रशिक्षकों को मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना के लिए निःशुल्क मधुमक्खी बक्से एवं आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्र की देखरेख में प्रशिक्षुओं को उनके उत्पादों की मार्केटिंग करने के बारे में भी मदद की जाएगी।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के महाप्रबंधक अनुराग आनंद ने कहा कि हरियाणा शहद उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक है। प्रदेश के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित व कम जोत वाले किसान मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपना कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों खासकर महिलाओं में मधुमक्खी पालन को लोकप्रिय बनाकर स्वरोजगार को स्थापित करना है।

'कल्याणकारी और पारदर्शी योजनाओं से लोगों का जीवन आसान बना दिया'

मोदी-मनोहर सरकार में बातें कम, काम ज्यादा हो रहे हैं, करनाल के बराना-बरानी रेलवे स्टेशन पर अंडरपास की रखी आधारशिला

राजकुमार प्रिंस

करनाल। हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार ने अपने हर वायदे को निभाया है। भाजपा काम करती है, जबकि विपक्ष केवल बातों तक ही सिमटा हुआ है। मोदी सरकार ने लोगों का जीवन सरल बना दिया है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के कारण लोगों का जीवन स्तर बेहतर हुआ है।

नायब सैनी करनाल जिला के गांव बराना-बरानी रेलवे स्टेशन पर अंडर पास की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में पहुंचे हुए थे। यहां अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना

के तहत प्रधानमंत्री द्वारा अंडरपास की वचुअर्ली आधारशिला रखने के दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में रेल नेटवर्क की गति तेजी से बढ़ी है और रेलवे को नई पहचान मिली है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने लोगों का जीवन स्तर सुधारने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है, इसलिए देश की जनता उन्हें अपना आशीर्वाद देकर तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएगी। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एक साथ 554 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य का शिलान्यास, उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि इसी योजना से करनाल बराना-बरानी रेलवे स्टेशन का भी कायाकल्प होगा और लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

उन्होंने कहा कि मोदी शासन में नए भारत के नए स्टेशन बन रहे हैं। मोदी सरकार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि 2024-25 के रेल बजट में केंद्र सरकार ने हरियाणा को अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड 2861 करोड का बजट आवंटित किया है, जो वर्ष 2009 से 2014 के औसत बजट 315 करोड़ रुपए से 9 गुना अधिक है।

नायब सैनी ने कहा कि 2014 के बाद रेलवे विभाग में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिले हैं। हरियाणा में नई रेल लाइनों का निर्माण, दोहरीकरण और विद्युतीकरण तेजी से हुआ है। राज्य में बीते 10 वर्षों में लगभग 616 किलोमीटर का रूट विद्युतीकरण किया गया है। हरियाणा को तीन वंदे भारत ट्रेन मिली हैं। हरियाणा में रोहतक-गोहाना रेल लाइन के 4.8 किलोमीटर ट्रैक के हिस्से को एलिवेटेड ट्रैक में बदला गया है, जिससे शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुगम हुई। रोहतक-महम-हिसार नई लाइन का तेजी से विकास हो रहा है।

करनाल में किसानों ने निकाला ट्रैक्टर मार्च

प्रेशर

8 किसानों को लगातार दबाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन किसान अपना प्रेशर सरकार पर बना रहे हैं।

राजकुमार प्रिंस

करनाल। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर आज किसानों द्वारा करनाल में ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर अपनी मांगों को लेकर बैठे पंजाब के किसानों के समर्थन और डब्ल्यूटीओ के विरोध में सैकड़ों की संख्या में किसान सेक्टर-12 के हुडा ग्राउंड में अपने-अपने ट्रैक्टरों के साथ पहुंचे।

ग्रामीण इलाकों से भी किसान इस ट्रैक्टर मार्च में पहुंचे हैं और आइटीआइ से दिल्ली की तरफ ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। इसके साथ ही पुलिस और अर्धसैनिक बल भी किसानों के ट्रैक्टर मार्च के साथ ही रहे। प्रशासन ने इस दौरान किसी भी तरीके से ढिलाई नहीं बरती। हालांकि किसानों ने शांतिपूर्ण तरीके से ट्रैक्टर मार्च निकाला। हाईवे पर किसी तरह की जाम की स्थिति नहीं बनी।

भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम ग्रुप के अध्यक्ष जगदीप औलख ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। किसान एमएसपी और अन्य मांगों को लेकर शंभू और खनौरी बॉर्डर पर बैठे हुए हैं। 14 दिन का समय बीत चुका है, लेकिन पुलिस प्रशासन ने किसानों का रास्ता रोका हुआ है। जब तक किसानों की मांगें पूरी नहीं हो जाती, तब तक वह किसी भी सूरत में पीछे हटने वाले नहीं हैं।

औलख ने कहा कि आज पूरे देश में नेशनल हाईवे पर ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। यह ट्रैक्टर मार्च सरकार के मनमानी वाले रवैये के खिलाफ था। किसानों को लगातार दबाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन किसान अपना प्रेशर सरकार पर बना रहे हैं।

नमस्ते चौक पर ट्रैक्टर मार्च समाप्त हुआ, जहां से किसान अपने ट्रैक्टर लेकर घर वापस चले गए। शांतिपूर्ण तरीके से ट्रैक्टर मार्च

जानकारी

छोटे बच्चों में पॉटी और पेशाब का रुकना है खतरनाक

हो सकता है यूरिया साइकिल डिसऑर्डर का खतरा

यूरिया साइकिल डिसऑर्डर (UCDs) रोगों का एक समूह है, जो अक्सर छोटे बच्चों में पाया जाता है। आमतौर पर इस बीमारी में बच्चे को मल-मूत्र से जुड़ी परेशानियां होती हैं। बच्चे को सही से पॉटी न आना या बहुत दिनों तक पेट खराब रहना इस बीमारी के कुछ लक्षणों में से एक है। दरअसल हर इंसान में यूरिन के बाहर आने का भी एक चक्र होता है। इसी तरह बच्चों में भी इसी तरह का चक्र जन्म के बाद से ही विकसित होना शुरू हो जाता है। इस बीमारी के तहत जब आपका बच्चा प्रोटीन खाता है, तो उसका शरीर उसे अमीनो एसिड में बदल देता है और बाकी को नाइट्रोजन प्रोडक्टस के रूप में बदल जाते हैं, जिसे वे मल या पॉटी के रूप में निकाल देते हैं। इस प्रक्रिया में लीवर नाइट्रोजन को यूरिया में बदलने के लिए कई एंजाइमों की आपूर्ति करता है, जो बाद में मल- मूत्र के रूप में शरीर निकल जाता है और इसकी पूरी प्रक्रिया को 'यूरिया चक्र' कहा जाता है।

बच्चों में कैसे होता है ये रोग

यदि आपके बच्चे को यूरिया चक्र विकार है, तो उसका लीवर यूरिया साइकल की जरूरतों के हिसाब से काम नहीं कर पाता है। इस तरह से जब बच्चे का शरीर नाइट्रोजन, अमोनिया आदि को बाहर नहीं निकाल पाता है तो इसके हानिकारक पदार्थ ब्लड में मिक्स हो जाता है। फिर ये हानिकारक पदार्थ ब्लड के साथ सर्कुलेट होने के कारण मस्तिष्क की क्षति का कारण बन सकता है, जिससे बच्चा कोमा में भी जा सकता है। यदि आप इसे जल्दी से इलाज नहीं करते है, तो ये आपके बच्चे के लिए घातक हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप इसके लिए अपने बच्चे में जन्म के बाद से उनके यूरिन साइकल पर ध्यान दें। आइए हम आपको बताते हैं कि इस बीमारी के लक्षण और निवारण क्या है?

यूरिया साइकिल डिसऑर्डर के कारण

- शरीर में कुछ एंजाइम्स जैसे ओटीसी (ऑर्निथिन ट्रांसकार्बामाइलेज), एएसडी (आर्जिनिनोसक्सिनिक एसिड सिंथेटेज) और एएलडी (आर्गिनिनोसक्सिनेज एसिड लीसेज) के कम होने से
- माता-पिता से आने वाले डिफेक्टीव जीन का बच्चे में ट्रांसफर होने के कारण
- ज्यादा प्रोटीन लेने के कारण
- बच्चे में जन्म से लीवर खराब होने के कारण

यूरिया साइकिल डिसऑर्डर के लक्षण

गंभीर यूसीडी वाले बच्चों में इसके लक्षण जीवन के पहले 24 घंटों के भीतर विकसित होते हैं। हालांकि ये सभी लक्षण एक साथ मौजूद नहीं हो सकते हैं। इसमें सबसे पहले बच्चों में यूरिन पास होने का साइकिल बिगड़ जाता है। फिर उनमें नींद, चिड़चिड़ा, दूध पिलाने पर उल्टी होने जैसी समस्याएं नजर आती है। इसके अलावा हल्के या मध्यम यूसीडी वाले बच्चों में कुछ और लक्षण दिख सकते हैं। जैसे कि-

- मिट-मछली या प्रोटीन से भरपूर अन्य खाद्य पदार्थों को नापसंद करना
- उल्टी, मतली
- मानसिक भ्रम या अतिसक्रिय व्यवहार
- अक्सर थका हुआ या सोते रहना
- बेहोशी

यूरिया साइकिल डिसऑर्डर का इलाज

- बच्चे को कम प्रोटीन, उच्च कैलोरी वाले आहार दें-आहार में प्रोटीन प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों से परहेज करके यूरिया साइकल डिसऑर्डर को कम किया जाता है। इसके लिए बच्चे को 6 माह बाद से ही फल और सब्जियों को किसी न रूप में दें।
- आहार विशेषज्ञ से बच्चे के डाइट के बारे में संपर्क करें क्योंकि इससे उन्हें शुरू से ही पोषणयुक्त खाना खाने को मिलेगा।
- कुछ बच्चों को शरीर से अतिरिक्त अमोनिया को पचाने में मदद करने के लिए दवा लेने की आवश्यकता होती है। इसके लिए बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाएं।
- अगर बच्चे को लगातार मल-मूत्र के निकासी से जुड़ी समस्याएं हैं तो हो सकता है कि उसका लीवर खराब हो। ऐसे में बहुत ज्यादा परेशानी होने पर उनका लीवर प्रत्यारोपण करवाया जा सकता है।

वैज्ञानिकों ने खोजा ऐसा वायरस, जो हर तरह के कैंसर को मारने में है सक्षम

बड़ी सफलता

कैंसर को जड़ से खत्म करना शायद अगले कुछ सालों में संभव हो पाएगा। रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के एक वैज्ञानिक ने ऐसा वायरस खोज निकाला है, जो लगभग हर तरह के कैंसर को पूरी तरह खत्म करने में सक्षम है। मेडिकल साइंस के लिए ये एक बड़ी सफलता है।

कैंसर के इलाज के मामले में वैज्ञानिकों को एक बड़ी सफलता मिली है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा वायरस खोज लिया है, जो रिपोर्ट के अनुसार, हर तरह के कैंसर का खात्मा करने में सक्षम है। मेडिकल के क्षेत्र में इसे एक बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। इस वायरस को वैक्सीनिया CF33 (VaXinia CF33) नाम दिया गया है। कैंसर इस दुनिया की सबसे खतरनाक बीमारियों में से एक है, जिसके कारण हर साल करोड़ों लोगों की मौत होती है। पिछले 2-3 दशकों में कैंसर महामारी की तरह फैल रहा है। इस समय दुनियाभर में 100 से भी ज्यादा प्रकार के कैंसर पाए जाते हैं। किसी भी तरह के कैंसर का पता तीसरे या चौथे स्टेज में चलने पर इलाज की संभावना बहुत कम हो जाती है। मगर वैज्ञानिकों की इस सफलता के बाद उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही कैंसर को जड़ से खत्म किया जा सकेगा।

टेस्ट के दौरान दिखे हैरान करने वाले परिणाम

रिपोर्ट के अनुसार ये एक ऐसा वायरस है, जो शरीर में कॉमन कोल्ड (सर्दी-जुकाम) का कारण बनता है। मगर इसे कैंसर सेल्स के साथ इनक्यूज कराने के बाद वैज्ञानिक हैरान थे। टेस्ट के दौरान इस वायरस ने छोटी डिश में सभी प्रकार के कैंसर को खत्म कर दिया। इसके बाद चूहों पर टेस्ट करने पर भी वैज्ञानिकों ने पाया कि इस वायरस ने ट्यूमर को सिकोड़ कर काफी छोटा कर दिया। इस वायरस को ऑस्ट्रेलियन बायोटेक कंपनी इम्यूजीन (Imugene) ने बनाया है, और इसे बनाने का श्रेय यूएस के वैज्ञानिक और कैंसर स्पेशलिस्ट प्रोफेसर युमान फॉन्ग (Yuman Fong) को जाता है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो अगले साल ही इसे दवा के तौर पर ब्रेस्ट कैंसर के मरीजों पर टेस्ट किया जाएगा।

19वीं सदी से खोजा जा रहा था इलाज

19वीं सदी शुरुआत में ही जब मरीजों को रेबीज का टीका देने के बाद उनके कैंसर में कमी देखी गई, तभी इस बात के परिणाम मिल गए थे कि ये वायरस कैंसर को खत्म करने का दम रखता है। मगर समस्या ये थी कि अगर इस वायरस को और अधिक पावरफुल बना दिया जाए, तो ये वायरस कैंसर के साथ-साथ व्यक्ति को भी मार सकता था। इसी समस्या का हल निकालने में प्रोफेसर फॉन्ग को सफलता मिली है। दरअसल काउपॉक्स नाम का एक वायरस होता है, जो पिछले 200 सालों से छोटीमाता (Small PoX) को ठीक करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है और इसका इंसानों के शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं देखा गया है। प्रोफेसर फॉन्ग ने काउपॉक्स नाम के इसी वायरस को कुछ अन्य वायरसों के साथ मिलाकर चूहों के ट्यूमर पर इसका ट्रायल किया है। ट्रायल में देखा गया कि चूहों के शरीर में मौजूद कैंसर सेल्स सिकुड़कर काफी छोटी हो गई और उनका बढ़ना भी बंद हो गया।

ट्रिपल निगेटिव कैंसर के मरीजों पर किया जाएगा ट्रायल

फिलहाल प्रोफेसर फॉन्ग ऑस्ट्रेलिया में ही इस वायरस के क्लीनिकल ट्रायल की तैयारी कर रहे हैं। बाद में इसे अन्य देशों में भी टेस्ट किया जाएगा। इस ट्रायल के दौरान ट्रिपल निगेटिव ब्रेस्ट कैंसर, मेलानोमा, फेफड़ों के कैंसर, ब्लैडर कैंसर, पेट के कैंसर के मरीजों पर टेस्ट किया जाएगा। हालांकि चूहों पर हुए इस शोध की सफलता इस बात को पूरी तरह आश्वस्त नहीं करती है कि इंसानों में भी इसके परिणाम वैसे ही देखने को मिलेंगे। अभी इंसानों पर इस वायरस का टेस्ट होना बाकी है, जिसके दौरान इसके दुष्प्रभावों की भी जांच करनी पड़ेगी। फिर भी प्रोफेसर फॉन्ग और मेडिकल साइंस से जुड़े सभी वैज्ञानिक इस शोध को लेकर काफी उत्साहित हैं और इसे बड़ी सफलता के रूप में देख रहे हैं।

सेहत

थुलथुला या सख्त, किस तरह का मोटापा होता है ज्यादा खतरनाक?

क्या आपके शरीर में भी बहुत सारा फैट जमा हो गया है, जिसे आप घटाना चाहते हैं? शरीर में जमा होने वाली अतिरिक्त चर्बी धीरे-धीरे आपको मोटापे का शिकार बना देती है। मगर क्या आप जानते हैं कि मोटापा भी कई प्रकार का होता है? आपने देखा होगा कि कुछ लोगों का पेट मोटापे के बाद बहुत सख्त हो जाता है, जबकि कुछ लोगों का पेट थुलथुला होता है, जो चलने या काम करने के दौरान बहुत अधिक हिलता-डुलता है। दोनों को ही मोटापा माना जाता है, मगर इनके प्रकार में अंतर होता है। मोटापे के ये 2 प्रकार अलग-अलग तरह के फैट के जमा होने के कारण होते हैं।

सख्त और थुलथुले मोटापे में अंतर

हम दिनभर जो भी खाना-पीना लेते हैं, उसमें अलग-अलग प्रकार के फैट होते हैं। हर तरह के फैट की प्रोसेसिंग शरीर अलग तरह से करता है। एक जटिल प्रक्रिया के तहत आपका खाया हुआ खाना ग्लाइसेरॉल (Gycerol) और फैटी एसिड (fatty Acids) में बदलता है। इन दोनों तत्वों का इस्तेमाल शरीर ऊर्जा (Energy) के लिए करता है। इसी ऊर्जा से आपके शरीर के अंग अपना-अपना फंक्शन करते हैं और आप भी दिनभर काम कर पाते हैं। इस पूरी प्रक्रिया के बाद आपके शरीर में जो एनर्जी बची रह जाती है, उसे शरीर भविष्य में इस्तेमाल के लिए शरीर में फैट के रूप में जमा कर लेता है। अगर आप रोजाना अपने शरीर की जरूरत से ज्यादा खाना खाते हैं, तो आपके शरीर में अतिरिक्त फैट जमा होता चला जाता है और आप मोटे होते चले जाते हैं। अगर मोटापे के बाद आपकी त्वचा मुलायम है, तो इसका अर्थ है कि ये सबक्यूटेनियस फैट (subcutaneous fat) है। वहीं अगर मोटापे के बाद आपकी त्वचा सख्त है, तो ये विसरल फैट (visceral fat) है।

कौन सा फैट है ज्यादा खतरनाक, सख्त या मुलायम?

subcutaneous fat आपकी त्वचा के निचले हिस्से में जमा होता है। इस फैट को आप आसानी से देख पाते हैं और यही वो फैट है, जो आपके शरीर के आकार को बिगाड़ता है, जैसे- पेट, जांघें, बाहें, गले के आसपास जमा चर्बी। जबकि visceral fat वो है, जो आपके पेट के अंदरूनी हिस्से में गहराई तक जमा होती है। ये फैट आपके अंदरूनी अंगों के आसपास भी जमा हो जाता है और बॉडी फंक्शन में बाधा पैदा करने लगता है। इसलिए visceral fat को ज्यादा खतरनाक माना जाता है। ये फैट आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल के उत्पादन को बढ़ा देता है और कई गंभीर बीमारियों को बढ़ावा देता है, जिनमें डायबिटीज, कैंसर, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियां शामिल हैं। इसलिए जिन लोगों का मोटापा सख्त होता है, उनको सेहत से जुड़े खतरों और बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है।

थोड़ा सा बॉडी फैट भी है जरूरी

अगर आप मोटापे के डर से कैलकुलेशन करके खाना-पीना शुरू करने की सोच रहे हैं, तो रुक जाएं। अगर आप रोजाना उतना ही फैट लेंगे, जितना आप खर्च करते हैं, तो ये भी आपके शरीर के लिए अच्छा नहीं है। दरअसल थोड़ी मात्रा में अतिरिक्त फैट आपके शरीर के लिए जरूरी है। ये फैट आपके शरीर के अंदरूनी अंगों की रक्षा करता है और बीमारी, थकान या उपवास आदि स्थितियों में शरीर इसी फैट का इस्तेमाल एनर्जी के स्रोत के रूप में करता है। ये फैट कितना होना चाहिए, इसका कोई निश्चित पैमाना नहीं है। आपको इतना करने की जरूरत है कि शरीर के किसी भी अंग, खासकर पेट के आसपास इतना फैट न जमा होने दें कि बेल्ट लगाने के बाद आपका पेट अलग से बाहर नजर आए। इसके अलावा स्वस्थ रखने के लिए अपने शरीर को दिनभर एक्टिव रखना भी बेहद जरूरी है।

कैसे घटाएं शरीर में जमा चर्बी?

- आपके शरीर में किसी भी तरह का फैट जमा हो, इसे घटाने का एक ही तरीका है, और वो ये है कि आप अपनी लाइफस्टाइल और खानपान को सही रखें। इसे आप कैसे सही करेंगे, इसके लिए हेल्थ एक्सपर्ट्स कुछ नियम बताते हैं-
- सबसे पहले तो अपने सोने-जागने, खाने-पीने और काम के समय को निर्धारित करें और रोजमर्रा के कामों के लिए एक तय नियम बनाएं।
- मोटापा घटाने के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी है। रोजाना कम से कम 30-40 मिनट एक्सरसाइज जरूर करें।
- तेल, घी, मक्खन, मांसाहारी आहारों का सेवन कम करें।
- किसी एक चीज को ज्यादा खाने के बजाय, बैलेंस डाइट को फॉलो करें। रोज के खाने में ताजी सब्जियां, फलों और मोटे अनाजों को अपनी डाइट में शामिल करें।
- अगर मोटापा बहुत ज्यादा है और आपको इसके कारण किसी तरह की शारीरिक या मानसिक परेशानी हो रही है, तो ट्रेंड हेल्थ एक्सपर्ट/डायटीशियन/फिटनेस एक्सपर्ट की सलाह लें और अपनी बॉडी के अनुसार इसे कम करने का सही तरीका खोजें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगे। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जहाँ सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 1669

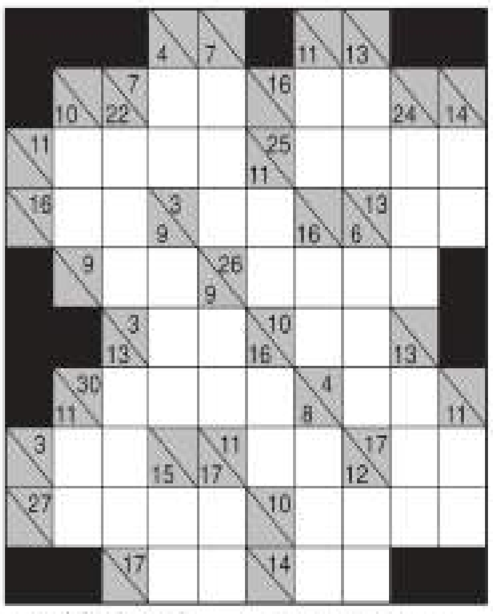

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1 2 3 4 5 / 7 8 9

1+2=3
1+3=4
7+9=16
8+9=17

काकुरो - 1668 का हल

हंसी के फव्वारें

सेकेंड क्लास के डिब्बे में बहुत ज्यादा भीड़ थी. एक यात्री ने उसमें चढ़ने की कोशिश की . तभी अन्दर से किसी ने कहा- 'इधर जगह नहीं है कोई दूसरा कम्पार्टमेंट देखिए !'

'अरे भई! मुझे तो सिर्फ खड़े रहने भर के लिए स्थान चाहिए,' बाहर वाले ने कहा.

'तो फिर प्लेटफार्म पर ही आराम से खड़े रहिए न. अन्दर आकर हमको क्यों तंग करते हो ?' अन्दर से तुरन्त आवाज आई.

सुरेश को गम्भीर सोच में डूबे देखकर उसके मित्र नरेश ने पूछा- 'क्यों भई,इतनी गहराई से क्या सोच रहे हो ?'

'बेटे के कारण मैं बहुत परेशानी में हूँ . कुछ समझ में नहीं आता कि क्या करूँ ? मैं चाहता हूँ कि वह जज बने. बेटे की मां चाहती है कि वह प्रोफेसर बने और बेटा डाक्टर बनने की जिद किये बैठा है.'

'तुम्हारे लड़के की उम्र कितनी है?' नरेश ने जिज्ञासावश पूछा.

'चार साल !' सुरेश ने बताया.

इसपर नरेश ने अपना माथा पीट लिया.

शालिनी - मेरे पिताजी का साहित्य में गहरा योगदान है.

रीतू -क्या वे बहुत बड़े लेखक हैं?

शालिनी ने कहा- नहीं, वे किताबों की जिल्दसाजी करते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 1669

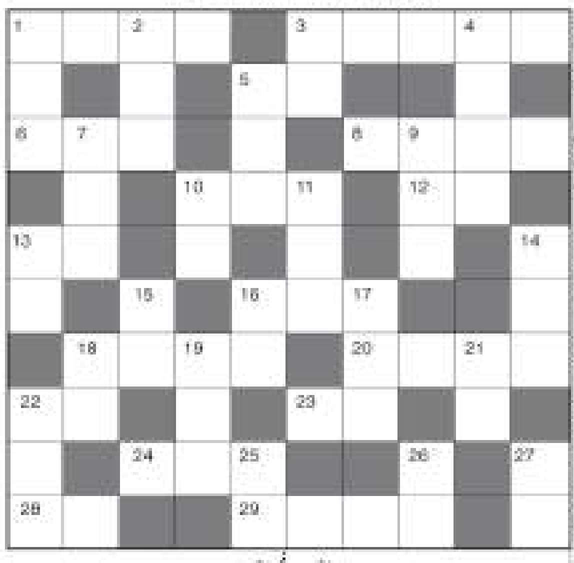

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये मर्द आहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बाड़ी रे भई चंदलाला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१५. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा करम है आसमा' गीत वाली शशि कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, जिमी की 'मेरे ख्यालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अजय, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. शहिदअली, अरुण अरोड़ा, नैयना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की [illegible] भी-३
७. कमल हासन, शाहरुख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सोनिया की 'तुमको मिलना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, [illegible] की फिल्म-२
१९. अयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ये मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की '[illegible]' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२५. मनोज बाजपेयी, अजय, तब्बू, प्रीता की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1668

सूडोकु -1669

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रहे.
- पहेली में मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 1668 का हल

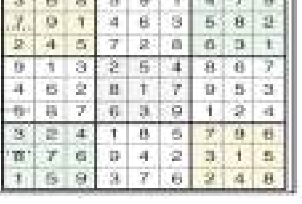

शब्द पहेली - 1669

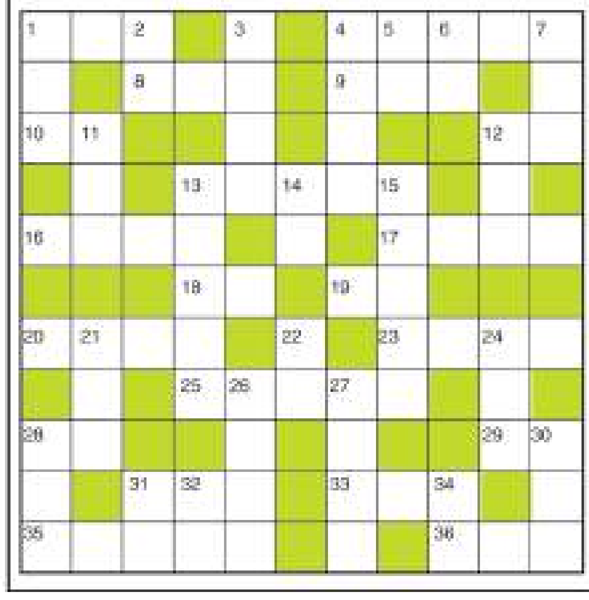

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.रम, सुरा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, खिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जलतरंग-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.चोर,डाकू-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होंठ-2

शब्द पहेली - 1668 का हल

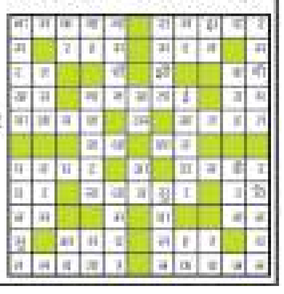

मुंबई इंडियंस ने गुजरात जाएंट्स को रौंदकर जमाया पहले स्थान पर कब्जा, आरसीबी टॉप-2 में

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल 2024 का अपना लगातार दूसरा मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल कर लिया है। आरसीबी टॉप-2 में है।

नई दिल्ली.वुमेंस प्रीमियर लीग यानी की WPL के दूसरे सीजन की शुरुआत से ही गत चैंपियन मुंबई इंडियंस ने पॉइंट्स टेबल पर अपनी पकड़ मजबूत करना शुरू कर दी है। सीजन के पहले दो मुकाबले जीतने के बाद हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली एमआई की टीम 4 पॉइंट्स के साथ पहले पायदान पर पहुंच गई है। एमआई के अलावा लीग की दूसरी टीम आरसीबी ही है जिसका अभी तक खाता खुला है। स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने अपने पहले मुकाबले में यूपी वॉरियर्स को धूल चटाई थी। ये दोनों टीमें फिलहाल डब्ल्यूपीएल 2024 पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 में है।

मुंबई इंडियंस बनी नंबर-1

हरमनप्रीत कौर की मुंबई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल 2024 के दूसरे सीजन का आगाज पिछले सीजन की उप-विजेता रही दिल्ली कैपिटल्स को हराकर ही किया था। पहले मैच में एमआई ने 4 विकेट से जीत दर्ज की थी। रविवार रात उनका दूसरा मुकाबला गुजरात जाएंट्स के साथ हुआ जहां उन्होंने टारगेट का पीछा करते हुए 5 विकेट से मुकाबला जीता। एमआई के खाते में इन दो लगातार जीत के साथ 4 अंक हो गए हैं और वह फिलहाल WPL 2024 पॉइंट्स टेबल में पहले पायदान पर है।मुंबई इंडियंस के अलावा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम पॉइंट्स टेबल में अपना खाता खोलने में कामयाब रही है। इनके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, यूपी वॉरियर्स और गुजरात जाएंट्स की टीमें अपना-अपना पहला मुकाबला हारकर क्रमश तीसरे चौथे और पांचवें पायदान पर है।

कैसा रहा मुंबई इंडियंस वर्सेस गुजरात जाएंट्स का मुकाबला?

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी गुजरात जाएंट्स निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 126 रन ही बोर्ड पर लगाने में कामयाब रही। शबनीम इस्माइल ने शुरुआत से ही जीजी की बैटर्स पर अपना शिकंजा कसा हुआ था, उन्होंने कुल तीन विकेट चटकाए। वहीं मिडिल ओवर्स में अमेलिया केर ने 4 विकेट हॉल लेकर गुजरात की कमर तोड़ दी। गुजरात के लिए 9वें नंबर पर बैटिंग करने आई तनुजा कंवर 28 रनों के साथ टॉप स्कोरर रही।127 रनों के आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत तो अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 50 रन के अंतर टॉप-3 बल्लेबाजों को खो दिया था। मगर तब कप्तान हरमनप्रीत कौर (46*) ने अमेलिया केर (31) के साथ टीम को संभाला और मुंबई को सीजन की दूसरी जीत 11 गेंदें शेष रहते दिलाई।

हार्दिक पांड्या ने क्रिकेट के मैदान पर की वापसी, IPL 2024 से पहले इस T20 टूर्नामेंट में कर रहे कप्तानी

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर ली है। एक तरह से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौट आए हैं। वे मुंबई की एक लोकल टी20 टूर्नामेंट में खेलने उतरे हैं। हालांकि, इस टी20 टूर्नामेंट को किसी लीग का दर्जा प्राप्त नहीं है, लेकिन वे क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर रहे हैं, ये अच्छी बात टीम इंडिया के नजरिए से है। इस टी20 टूर्नामेंट के साथ वे आईपीएल 2024 की तैयारियों में भी जुट गए हैं। दरअसल, हार्दिक पांड्या सोमवार की दोपहर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में रिलायंस 1 के लिए कप्तान के तौर पर मैदान पर उतरे।

आईपीएल 2024 में भी वे मुंबई इंडियंस के कप्तान होंगे। उनको मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटन्स से ट्रेड के जरिए खरीदा है। वहीं, पांच बार के आईपीएल विजेता कप्तान रोहित शर्मा से टीम मैनेजमेंट ने कप्तानी छीन ली है। वे इस सीजन बैटर के तौर पर खेलेंगे।

हार्दिक पांड्या अभी तक भारत की टी20 टीम के कप्तान थे, लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई टी20 सीरीज में रोहित शर्मा ने कप्तानी की और वे अब टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भी टीम के कप्तान होंगे। इस बात का ऐलान खुद बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने किया है। जय शाह ने ये बात राजकोट में आयोजित हुए एक कार्यक्रम में की। वहीं, आईपीएल में रोहित शर्मा को हार्दिक पांड्या की कप्तानी में खेलना है।

T20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले ऑस्ट्रेलिया में सेलेक्शन को लेकर सिरदर्द, किसे मिलेगा मौका और कौन होगा बाहर?

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया की टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले अपनी आखिरी टी20 सीरीज भी खेल ली है, लेकिन अभी तक फाइनल फिफ्टीन पर बात नहीं बन पाई है। ऑस्ट्रेलिया के पास खिलाड़ियों की कमी नहीं है, बल्कि सेलेक्शन को लेकर सिरदर्द है कि किसे टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीम में रखा जाए और किसे ड्रॉप किया जाए। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई टी20 सीरीज को ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीता, लेकिन चयनकर्ताओं का सिरदर्द बढ़ गया, क्योंकि हर खिलाड़ी ने दमदार प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर मैथ्यू वेड ने खुद इस बात को स्वीकार किया है कि कुछ अनलकी खिलाड़ी होंगे, जिनका सेलेक्शन इस साल के आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के लिए नहीं होगा। यूएसए और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम का कप्तान भी तय नहीं है, क्योंकि वनडे और टेस्ट सीरीज में टीम को सफलता दिलाने वाले पैट कमिंस टी20 वर्ल्ड कप की टीम का हिस्सा जरूर होंगे, लेकिन सवाल ये है कि कप्तानी क्या वही करेंगे या फिर मिचेल मार्श को दी जाएगी। मार्श ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो मैचों में कप्तानी की थी और टीम को जीत दिलाई थी। हालांकि, अन्य खिलाड़ियों को मौका देने की वजह से उन्होंने तीसरे टेस्ट मैच से बाहर रहना उचित समझा और उस स्थिति में कप्तानी मैथ्यू वेड ने की। उस मैच को भी टीम ने जीता। यहां तक कि कुछ खिलाड़ी अभी भी टीम से बाहर हैं, जो सीधे टी20 टीम में जगह बनाने के काबिल हैं।

मैथ्यू वेड का मानना है कि टी20 विश्व कप शुरू होने से कुछ महीने पहले इतने सारे खिलाड़ियों का अच्छे फॉर्म में होना 2021 चैंपियन के लिए एक बड़ा बेनेफिट है, लेकिन उन्हें पता है कि कुछ बड़े नाम होंगे जो फाइनल में जगह बनाने से चूक जाएंगे। वेड ने तीसरे टी20 मैच के बाद कहा, «आखिरी कुछ स्थानों के लिए यह कठिन होने वाला है, मैं जॉर्ज (मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली) की स्थिति से ईर्ष्या नहीं करता। मैं 15 को नहीं चुनना चाहूंगा, क्योंकि कुछ अनलकी खिलाड़ी होंगे, लेकिन जैसा कि मैंने कहा कि चोटें हमेशा लगी रहती हैं, जो लोग 15 से बाहर हैं उन्हें भी अवसर मिल सकते हैं, इसलिए हमें खुशी है कि हमारे पास इतनी गहराई है।ऑस्ट्रेलिया के टॉप ऑर्डर में ट्रेविस हेड और डेविड वॉर्नर होंगे। नंबर तीन पर मिचेल मार्श का स्थान पक्का है। नंबर चार पर ग्लेन मैक्सवेल और पांच पर टिम डेविड होंगे। इनके अलावा टॉप 6 में स्टीव स्मिथ, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस स्टोइनिस में से एक को खेलने का मौका मिलेगा।

इतिहास रचने की कगार पर यशस्वी जायसवाल, बनेंगे ऐसा कारनामा करने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली. भारतीय स्टार सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के पास आज रांची में इतिहास रचने का मौका है। इंग्लैंड द्वारा मिले 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 40 रन बोर्ड पर लगा चुका है।

यशस्वी जायसवाल नाबाद 16 रन बनाकर क्रीज पर बने हुए हैं। अगर आज यानी मुकाबले के चौथे दिन उनके बल्ले से 50 और रन निकलते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन पूरा कर लेंगे। इसी के साथ वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज इस मुकाम तक पहुंचने वाले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। बता दें, भारत को जीत के लिए अभी 152 रनों की दरकार है।

यशस्वी जायसवाल अपने टेस्ट करियर का यह 8वां मुकाबला खेल रहे हैं। अभी तक वह 3 शतक और दो अर्धशतक के दम पर 950 रन बना चुके हैं। इस मुकाबले में 50 और रन बनाते ही यशस्वी 1000 रन के आंकड़े तक पहुंच जाएंगे।

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारतीय बल्लेबाजों द्वारा सबसे तेज 1000 रन पूरा करने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर और चेतेश्वर पुजारा के नाम है जिन्होंने 11-11 टेस्ट में ये कमाल किया था। यशस्वी अगर आज 1000 रन पूरा कर लेते हैं तो वह 8वें ही मैच में यह उपलब्धि हासिल कर इतिहास रच देंगे।

सुरेश रैना ने की ध्रुव जुरेल की तारीफ, बोले- वह अद्भुत है, मैं उसके साथ खेला हूं

नई दिल्ली.एजेंसी

रांची टेस्ट मैच की पहली पारी में भारत के लिए शानदार बल्लेबाजी करते हुए 90 रन बनाने वाले ध्रुव जुरेल की हर कोई तारीफ कर रहा है। ध्रुव जुरेल ने उस समय पर टीम के लिए रन बनाए, जब टीम मुश्किल में थी। पिछले टेस्ट मैच में उन्होंने डेब्यू किया था और वहां तेज गति से रन बनाए थे, लेकिन यहां उन्होंने परिस्थितियों के हिसाब से खेला और 90 रन बनाने में सफल हुए। इसी को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने उनकी तारीफ की है। रैना ने रोहित शर्मा को लेकर भी कहा है कि ध्रुव जुरेल को मौका देने के लिए उनकी सराहना भी होनी चाहिए।

बाएं हाथ के बल्लेबाज सुरेश रैना ने पीटीआई से बात करते हुए कहा, जुरेल अद्भुत रहा है। मैंने यूपी के लिए उनके साथ कुछ मैच खेले हैं, उन्हें टीम का हिस्सा बनाने का श्रेय रोहित शर्मा को भी जाता है। उनकी विकेटकीपिंग से भी मैं बहुत प्रभावित हूं। एक आर्मी परिवार से आने के कारण उनका रवैया निडर है। जुरेल को जब भी मौका मिलता था, वे बड़े शॉट खेलते थे और जब आखिर में वे अकेले बचे तो उन्होंने तेज गति से कुछ रन बनाए, लेकिन टॉम हार्टली की एक खतरनाक नीची रहती हुई गेंद पर वे क्लीन बोल्ड हो गए, अन्यथा उनका शतक बन सकता था।

ध्रुव जुरेल की बात करें तो उनको बल्लेबाजी के उद्देश्य से ही टीम में शामिल किया गया था, क्योंकि पहले दो मैचों में केएस भरत खेले थे। उन्होंने विकेटकीपिंग तो अच्छी की, लेकिन बल्लेबाजी में उन्होंने कोई योगदान नहीं दिया था। ऐसे में मैनेजमेंट उनसे आगे बढ़ा और ध्रुव जुरेल को मौका दिया गया। ध्रुव जुरेल की कीपिंग कभी-कभी वर्क इन प्रोग्रेस नजर आई, लेकिन बल्ले से उन्होंने काफी प्रभाव छोड़ा। हालांकि, कुछ मौकों पर उन्होंने विकेटकीपिंग की स्किल्स दिखाई और टीम इंडिया को विकेट दिलाए।

रांची में रोमांच से भरपूर था चौथा टेस्ट मैच, गिल-जुरेल का धमाका; इंडिया का सीरीज पर कब्जा

नई दिल्ली.एजेंसी

रांची के जेएससीए क्रिकेट स्टेडियम में इंडिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला गया। चौथे टेस्ट मैच का नतीजा चौथे दिन के दूसरे सेशन में निकल आया। टीम इंडिया ने इस मुकाबले को पांच विकेट से जीता और सीरीज में 3-1 से कब्जा कर लिया। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला बाकी है, लेकिन स्कोरलाइन इस समय 3-1 है। इंग्लैंड की टीम ने पहला मुकाबला जीता था और अगले तीन मैचों में टीम इंडिया ने जीत हासिल की। रांची में ये टेस्ट मैच बहुत ही ज्यादा रोमांचक हुआ, क्योंकि इस मैच में कभी पलड़ा भारत की ओर होता तो कभी इंग्लैंड की टीम आगे दिखाई देती, लेकिन अंततः जीत टीम इंडिया को मिली।इस मुकाबले की बात करें तो टीम इंडिया के खिलाफ इंग्लैंड की टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी। टीम इंडिया गेंदबाजी के लिए उतरी तो पहले दिन के पहले ही सेशन में इंग्लैंड के पांच बल्लेबाजों को आउट कर दिया। हालांकि, दूसरे सेशन में एक विकेट नहीं गिरा, जबकि तीसरे सेशन में दो विकेट गिरे। बावजूद इसके इंग्लैंड की टीम ने 353 रन अपनी पहली पारी में बनाए, जिसमें जो रूट का शतक शामिल था। 58 रनों की पारी ओली रॉबिन्सन ने भी खेली थी। वहीं, भारत के लिए 4 विकेट रविंद्र जडेजा ने निकाले थे।

दूसरे दिन भारत को बल्लेबाजी के लिए आना पड़ा और टीम को जल्द ही पहला झटका कप्तान रोहित शर्मा के रूप में लगा। हालांकि, दूसरे विकेट के लिए यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के बीच 82 रनों की साझेदारी हुई, लेकिन इसके बाद टीम इंडिया के विकेटों का पतझड़ शुरू हो गया। 177 रन पर 7 विकेट गिर गए, लेकिन इसके बाद ध्रुव जुरेल ने 90 रनों की बेसकीमती पारी खेली और टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचा। टीम इंडिया अपनी पहली पारी में 307 पर ढेर हो गई और इंग्लैंड को 46 रनों की बढ़त मिल गई। अब तक रोमांच का तड़का इस मैच में लग चुका था, क्योंकि पहली पारी के आधार पर भारत पीछे था और भारत को ही चौथी पारी खेलनी थी।

गुजरात जाएंट्स की हास्यपद फील्डिंग, 1 के बदले खर्च किए 3 रन...वीडियो देख कोई नहीं रोक पाएगा हंसी

तीसरा मुकाबला गुजरात जाएंटस (जीजी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेला गया। इस मैच के दौरान गुजरात की टीम ने मिसफील्ड के चलते 1 के बदले 3 रन खर्च किए। इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है।

नई दिल्ली.एजेंसी

क्रिकेट के मैदान पर आपने मिसफील्ड तो बहुत देखी होगी, मगर ऐसी घटना कम ही देखी होगी जहां किसी टीम ने मिसफील्ड के चलते 1 की जगह 3 रन खर्च किए हो। इस दौरान टीम के खिलाड़ियों ने एक गेंद पर 4-4 बार थ्रो फेंके। जी हां, यह घटना रविवार की रात वुमेंस प्रीमियर लीग यानी डब्ल्यूपीएल के दूसरे सीजन के दौरान घटी। WPL 2024 का तीसरा मुकाबला गुजरात जाएंट्स (जीजी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेला गया। इस मैच के दौरान गुजरात की टीम ने मिसफील्ड के चलते 1 के बदले 3 रन खर्च किए। इस दौरान एमआई की कमान हरमनप्रीत कौर और नेट साइवर-ब्रंट की सूझबूझ भी काफी काम आई।

यह घटना मुंबई इंडियंस की पारी के 5वें ओवर की है। कैथरीन ब्राइस की पांचवी गेंद पर नेट साइवर-ब्रंट मिड विकेट की दिशा में शॉट खेलकर एक रन लेना चाहती थी। उन्होंने आसानी से यह रन पूरा भी कर लिया था। मगर गुजरात जाएंट्स की फील्डर का थ्रो सीधा स्ट्राइकर एंड पर स्टंप्स पर जाकर लगा जिस वजह से मुंबई को ओवर थ्रो पर एक रन और भागने का मौका मिला।ओवरथ्रो का यह सिलसिला यहीं नहीं थमा। विकेट पर लगने के बाद गेंद बैकवर्ड पॉइंट की दिशा में गई जहां जीजी की खिलाड़ी ने थ्रो विकेट कीपर बेथ मूनी की तरफ फेंका, मगर वह उसे पकड़ नहीं पाई। गेंद एक बार फिर मिड विकेट पर पहुंच गई थी और इस बार हरमनप्रीत और ब्रंट के बीच तालमेल नहीं बैठा। गुजरात की खिलाड़ी ने इस बार नेट साइवर-ब्रंट को रन आउट करने के लिए डायरेक्ट थ्रो विकेट पर लगाने की कोशिश की, मगर वह इससे चूक गई जिस वजह से मुंबई को ओवर थ्रो के चलते तीसरा रन मिला।

मुंबई को यहां एक और रन बटोर सकती थी क्योंकि गुजरात की प्लेयर्स ने चौथा ओवर थ्रो भी किया था, मगर हरमनप्रीत कौर एक और रन चुराने के लिए कोई रिस्क नहीं लेना चाहती थी। जिस वजह से उन्होंने चौथी बार ना दौड़ने का फैसला किया।

माइकल वॉन ने DRS विवाद को खत्म करने के लिए बताया अनोखा तरीका, कहा- फैंस नहीं करते विश्वास

माइकल वॉन ने का कहना है कि जिस रूम से डीआरएस के फैसले लिए जाते हैं वहां पर कैमरा और माइक्रोफोन चिपका दिए जाएं ताकि जब फैसला हो रहा हो तो सबको पता चल सके कि उस रूम में क्या हो रहा है।

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने DRC विवाद को खत्म करने का अजीबो-गरीब तरीका बताया है। उनका कहना है कि जिस रूम से डीआरएस के फैसले लिए जाते हैं वहां पर कैमरा और माइक्रोफोन चिपका दिए जाएं ताकि जब फैसला हो रहा हो तो सबको पता चल सके कि उस रूम में क्या हो रहा है। वॉन ने यह बात भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज में हो रही DRC कॉन्ट्रोवर्सी के बीच कही। इस टेस्ट सीरीज में कई फैसले अंपायर्स कॉल पर रहे हैं जो भारत और इंग्लैंड दोनों ही टीमों के लिए काल बना है। इसके अलावा कई फैसले ऐसे थे जिसे देखने के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान खुश नहीं थे.

राजकोट टेस्ट में जैक क्रॉली के विकेट पर विवाद हुआ था, वहीं रांची में जारी चौथे टेस्ट में जो रूट के डिसमिसल पर इंग्लैंड का रोना जारी है। इंग्लैंड की दूसरी पारी में जो रूट का शिकार आर अश्विन ने किया। राउंड द विकेट गेंदबाजी करते हुए अश्विन ने रूट को अपने जाल में फंसाया था और उन्हें LBW आउट किया। मैदान पर मौजूद अंपायर ने तो रूट को आउट नहीं दिया, मगर भारत ने उनके फैसले को चैलेंज देते हुए DRC का इस्तेमाल किया।

थर्ड अंपायर ने पाया कि गेंद कि पिच, इंपैक्ट और विकेट तीनों पर रेड है तो उन्होंने रूट को आउट करार दिया। हालांकि इंग्लिश क्रिकेट पंडित और फैंस ने बॉल ट्रैकिंग पर सवाल उठाए कि जब गेंद पिच हो रही थी तो वह लाइन के बाहर थी। रूट ने भी उस समय सवाल नहीं उठाए, मगर वह ड्रेसिंग रूम में पहुंचने के बाद जरूर इसे रिचैक कर रहे थे। वॉन ने एक्स पर इस फैसले को हैरान कर देने वाला बताया था हालांकि कुछ देर बाद ही उन्होंने अपना वह पोस्ट डिलीट कर दिया।माइकल वॉन ने अब टेलिग्राफ के अपने कॉलम में लिखा, «सोशल मीडिया पर केवल एक नजर डालने से पता चलता है कि बहुत से लोग इस पर भरोसा नहीं करते हैं। कुछ टीमों के पक्ष या विपक्ष में लिए जाने वाले निर्णयों को लेकर बहुत गुस्सा और संदेह है। मेजबान प्रसारकों और ट्रक (रूम) में कौन है, इसके बारे में संदेह है ऐसा इसके बावजूद है कि टेक्नोलॉजी बनाने वाली कंपनियां वास्तव में मेजबान प्रसारक के समान देश से नहीं हैं। उदाहरण के लिए, हॉक-आई यूके की एक कंपनी है लेकिन इस सीरीज में इसका उपयोग किया जा रहा है। उन्हें सिर्फ मेजबान प्रसारक द्वारा लाया गया है।वॉन का सुझाव कुछ-कुछ वैसा ही है जैसा फीफा फुटबॉल में करता है। हालांकि, फुटबॉल जगत में VAR (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) के आने के बाद से विवाद कम नहीं हुए हैं।उन्होंने आगे लिखा, «तो यहां पारदर्शिता और जवाबदेही को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए एक सरल समाधान है। ट्रक (रूम) में एक कैमरा और माइक्रोफोन चिपका दें ताकि जब कोई निर्णय लिया जा रहा हो, तो हम सभी जान पाएं कि वास्तव में क्या हो रहा है और इसमें कितने लोग शामिल हैं।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP
Rakesh Bhardwaj Group

फास्ट न्यूज

हरियाणा का पशुधन देख प्रभावित हुए भाजपा प्रभारी देब

चंडीगढ़: हरियाणा भाजपा के प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद बिप्लब कुमार देब ने कहा कि हरियाणा का पशुपालन सेक्टर नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। हरियाणा पशु प्रेमी प्रदेश है और हरियाणा के पशुओं की दूध की ताकत के दम पर ही राज्य के खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया में धूम मचाई है। श्री देब आज जिला महेंद्रगढ़ के गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय 40वीं राज्य पशुधन प्रदर्शनी-2024 के पुरस्कार एवं समापन समारोह में संबोधित कर रहे थे। सबसे पहले उन्होंने पशुधन प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा हरियाणा का पशुधन व पशुपालन विभाग की योजनाओं को देखकर काफी प्रभावित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पशुपालन एवं डेयरी तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने की। इसके अलावा उन्होंने पशु पालकों को लाखों का ईनाम देकर सम्मानित किया।

बिप्लब देब ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के 11 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत आर्थिक सहायता दी जाती है, वहीं हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार पशुपालकों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चल रही है। पशुपालन विभाग द्वारा लगाई गई इस प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जीवन में पहली बार पशुओं को रैंप पर चलते हुए देखा है।श्री देब ने हरियाणा के नागरिकों के स्वभाव की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा के लोगों को धमकी व धन से नहीं खरीदा जा सकता, उन्हें प्यार से जीता जा सकता है। हरियाणा बीजेपी प्रभारी ने कहा कि आजादी के बाद से किसानों के बारे में कोरी बातें होती थी। 2014 के बाद देश व प्रदेश में किसानों व पशुपालकों की तकदीर बदली है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि मोदी है तो देश व हरियाणा का सम्मान सुरक्षित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया में भारत को पांचवी बड़ी ताकत बनाने का कार्य किया है।

राज्य में 117 लाख 79 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव

रायपुर: राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में किसानों से 144.92 लाख मीट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर रिकार्ड खरीद की जा चुकी है। कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है।

'डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग से देश को बनाएंगे आत्मनिर्भर'

सीएम योगी ने कानपुर में अदाणी के एम्यूनेशन मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स का किया उद्घाटन, उद्घाटन समारोह में मौजूद रहे चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल मनोज पांडेय

टीम एक्शन इंडिया

कानपुर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को साढ़ स्थित डिफेंस कॉरीडोर में अदाणी समूह के एम्युनेशन मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले जहां यूपी में तमंचे लहराए जाते थे, वहीं अब प्रदेश के डिफेंस कॉरीडोर के सभी 6 नोड्स भारत को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में जुट गये हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान देश के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल मनोज पांडेय भी मौजूद रहे। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी करण अदाणी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एम्युनेशन मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स का अवलोकन भी किया।

2018 में पीएम ने यूपी को दी थी डिफेंस कॉरीडोर की सौगात: समारोह के दौरान अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये क्षण उनके लिए अत्यंत आह्लादित करने वाला है। सीएम ने कहा कि 2018 में जब हमने अपना पहला इन्वेस्टर्स समिट आयोजित किया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने देश में दो डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरीडोर की घोषणा की थी। भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरीडोर की घोषणा की गई थी। प्रधानमंत्री ने यूपी में 6 नोड्स की घोषणा की थी। इसमें अलीगढ़, आगरा, कानपुर, लखनऊ, झांसी और चित्रकूट शामिल हैं, जिसमें कानपुर नोड में अदाणी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीस लिमिटेड ने अपना कार्य प्रारंभ किया है।

यूपी के डिफेंस कॉरीडोर में दिग्गज कंपनियां कर रहीं निवेश: सीएम योगी ने बताया कि यूपी में डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग के लिए 5 हजार हैक्टेयर के बड़े कॉरीडोर को आगे बढ़ाने के लिए कार्य किया गया है। अबतक 5हजार एकड़ लैंड को प्राप्त कर लिया गया है। इसमें लखनऊ में जहां ब्रह्मोस, झांसी में भारत डायनमिक्स लिमिटेड, आर्म व्हीकल निगम लिमिटेड और टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड, ग्लोबल इंजीनियरिंग लिमिटेड और डब्ल्यूवी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड का कार्य प्रारंभ हुआ है, वहीं अलीगढ़ नोड में एंकर रिसर्च लैब एलएलपी और कानपुर में अदाणी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी लिमिटेड जैसी बड़ी बड़ी कंपनियां काम कर रही हैं।

आईआईटी कानपुर और आईआईटी बीएचयू को सेंटर फॉर एक्सिलेंस: मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी में डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग कॉरीडोर के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी बीएचयू को सेंटर फॉर एक्सिलेंस के तौर पर नामित किया गया है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने भी इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए साझेदारी दिखाई दी है। सीएम ने बताया कि यूपी के डिफेंस कॉरीडोर में डिफेंस एंड एयरोस्पेस सेक्टर में स्टार्टअप्स के सहयोग के लिए संपूर्ण वातावरण बनाने का कार्य हुआ है।

'देश का सबसे बेहतरीन औद्योगिक शहर बनेगा बीडा'

आज उत्तर प्रदेश, देश के डेवलपमेंट में ब्रेकर नहीं बल्कि ब्रेक थ्रू का काम कर रहा है। यूपी को 2017 से पहले देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा माना जाता था। आज यही प्रदेश विकास के नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हाल ही में जीबीसी 4.0 के माध्यम से 10 लाख 24 हजार करोड़ का निवेश धरातल पर उतरा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश वहीं होता है, जहां व्यक्ति के साथ साथ पूंजी को भी सुरक्षित वातावरण मिले। सीएम योगी ने बताया कि नोएडा की स्थापना के 46 वर्ष बाद प्रदेश सरकार बुंदेलखंड में बीडा के रूप में नया औद्योगिक शहर बसाने जा रही है। ये देश का सबसे बेहतरीन औद्योगिक शहर बनेगा। इस हिसाब से इस पूरे क्षेत्र के युवाओं को सबसे स्किल्ड कार्यबल के रूप में तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अदाणी समूह द्वारा यूपी के कानपुर और तेलंगाना के हैदराबाद में एम्युनेशन मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स के शुभारंभ को लेकर बधाई दी और कहा कि ये प्रयास भारत को डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मैन्युफैक्चरिंग हब

> 500 एकड़ में फैला है साउथ एशिया का सबसे बड़ा एम्युनेशन एंड मिसाइल कॉम्प्लेक्स

नवनियुक्त राज्यसभा सांसद एवं हिसार लोकसभा प्रभारी सुभाष बराला अपने निर्वाचन के बाद सोमवार को पहली बार हिसार भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां पहुंचने पर जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ एवं अन्य पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

'उरी-बालाकोट हमले ने आतंकवाद को दिया करारा जवाब'

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि उरी और बालाकोट हमले पश्चिमी मोर्चे पर बढ़ते आतंकवाद को भारत का करारा जवाब था। एस जयशंकर ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'भारत और विश्व' विषय पर पंडित हृदय नाथ कुंजरू मेमोरियल व्याख्यान 2024 को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उरी और बालाकोट हमले से भारत ने विश्व को जीत का संदेश दिया है। जयशंकर ने भारत के मजबूत होते वैश्विक पदचिह्न के बारे में बोलते हुए कहा कि पश्चिमी मोर्चे के आतंकवाद को करारा जवाब मिला। वैश्विक व्यवस्था के आर्थिक और राजनीतिक पुनर्संतुलन में प्रगति हुई है। जी20 ने जी7 पर कब्जा कर लिया है। कई नए समूह और तंत्र अस्तित्व में आए हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं की सूची में बदलाव आया है और भारत पिछले दशक में छह स्थान ऊपर आ गया है।

धामी सरकार ने वीर नारियों को दिया सम्मान

शहीद की पत्नी बनेगी जिला सैनिक कल्याण अधिकारी

टीम एक्शन इंडिया

देहरादून: धामी सरकार वीर नारियों को सम्मान देने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। विभाग में पहली बार दो महिला सैन्य अधिकारियों का भी चयन हुआ है, जिसमें एक महिला सैन्य अधिकारी विंग कमाण्डर डॉ. सरिता पंवार, अमर शहीद स्क्वाड्रन लीडर महेन्द्र सिंह पंवार की पत्नी हैं। सैनिक कल्याण विभाग में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी के पद पर छह नये सेवानिवृत सैन्य अधिकारियों को चयनित कर उन्हें निदेशालय और विभिन्न जनपदों के तैनाती दे दी गयी है। सोमवार को सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी के अनुमोदन के बाद सैनिक कल्याण विभाग के सचिव दीपेन्द्र चौधरी की ओर से जारी आदेश के क्रम में विंग कमाण्डर निधि बधानी को सैनिक कल्याण निदेशालय में उप निदेशक पर पदस्थापित किया गया है और विंग कमाण्डर सरिता पंवार को हरिद्वार, कर्नल उमेद सिंह को चम्पावत, कर्नल जयेश बड़ोला को उत्तरकाशी, कर्नल करम सिंह बिष्ट को पिथौरागढ़, कर्नल रमेश सिंह को नैनीताल का नया सैनिक कल्याण अधिकारी नियुक्त किया है। कर्नल चन्द्र बहादुर पुनः को पिथौरागढ़ से उधमसिंहनगर, कर्नल सुबोध कुमार शुक्ला को नैनीताल से चमोली तथा मेजर करन सिंह को हरिद्वार से पौड़ी जनपद में स्थानान्तरित किया गया है। सैनिक कल्याण सचिव की अध्यक्षता वाली चयन समिति में रक्षा मंत्रालय एवं केन्द्रीय सैनिक कल्याण बोर्ड के अधिकारियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से सभी छह सैनिक कल्याण अधिकारी के पद पर नियुक्ति प्रदान की गयी है। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने चयनित अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में सतत प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को समर्पित होकर कार्य कर रही है। महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में सैनिक कल्याण विभाग की ओर से यह निश्चित तौर पर यह कदम सराहनीय है। सैनिक कल्याण मंत्री जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार ने प्रदेश में सैनिक कल्याण के लिए अभूतपूर्व कार्य किया जा रहा है। शहीदों के सम्मान में सैन्यधाम का निर्माण कार्य किया जा रहा है। सैन्यधाम निर्माण से पूर्व प्रदेशभर में शहीद सम्मान यात्रा और शहीदों के आंगन की मिट्टी और उत्तराखण्ड की प्रमुख 28 पवित्र नदियों का जल अमर जवान ज्योति के मुख्य स्तंभ की आधारशिला में अर्पित किया गया।

सम्मान

> विंग कमाण्डर डॉ. सरिता पंवार, अमर शहीद स्क्वाड्रन लीडर महेन्द्र सिंह पंवार की पत्नी हैं

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति छू रही हैं बुलंदियाः सैनी

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़/ कैथल: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की नारी शक्ति हर क्षेत्र में बुलंदियों को छू रही है। आज ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जहां महिलाओं ने अपनी अमिट छाप नहीं छोड़ी हो। श्री सैनी सोमवार को कैथल पार्टी कार्यालय में नारी शक्ति वंदन एवं स्वयं सहायता समूह व एनजीओ संपर्क अभियान के तहत आयोजित चाय पर चर्चा कार्यक्रम में बोल रहे थे। यहां पहुंचने पर भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर व कार्यक्रम की संयोजक ज्योति सैनी ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया।

इस मौके पर श्री सैनी ने मोदी सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए बनाई गई योजनाओं की जानकारी भी दी।

नायब सैनी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में ज्यादा समय नहीं बचा है। अब महिला मोर्चा की टीम सक्रिय होकर घर-घर जाकर मोदी और मनोहर सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं की ज्यादा से ज्यादा लोगों तक जानकारी दें। गांव में रहने वाली महिलाओं को मोर्चा की महिलाएं इस महिलाओं के लिए बनाई गई योजनाओं से अवगत कराते हुए उन्हें पार्टी से भी जोड़ें।

आरबीआई ने वित्तीय साक्षरता सप्ताह-2024 का उद्घाटन किया

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़

वित्तीय साक्षरता सप्ताह (एफएलडब्ल्यू), 2016 से, आरबीआई की एक वार्षिक पहल है, जिसका उद्देश्य एक लक्षित अभियान के माध्यम से वित्तीय मुद्दों पर जागरूकता को बढ़ावा देना है। इस वर्ष की थीम, "करो सही शुरूआतः बनो फाइनेंशियली स्मार्ट", व्यक्तिगत वित्त की जटिलताओं से निपटने और दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा और सफलता के लिए एक ठोस वित्तीय आधार तैयार करने के लिए युवाओं को सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करती है । आरबीआई के चंडीगढ़ कार्यालय द्वारा वित्तीय साक्षरता सप्ताह -2024 का प्रारंभ 26 फरवरी 2024 को किया गया। पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के, भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक, श्री विवेक श्रीवास्तव कार्यक्रम में उपस्थित रहे और अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों यथा श्री विनोद जयसवाल, सीजीएम (एसबीआई), श्री रघुनाथ बी, सीजीएम (नाबार्ड), वाणिज्यिक बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी, पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के संयोजक, गैर सरकारी संगठन और वित्तीय साक्षरता परामर्शदाताओं के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन भी किया।

लक्षित अभियान

> आरबीआई की पहल है, जिसका उद्देश्य एक लक्षित अभियान के माध्यम से वित्तीय मुद्दों पर जागरूकता को बढ़ावा देना

प्रोपेगैंडा नहीं, सत्य होनी चाहिए न्यूजः योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक मीडिया समूह के संवाद कार्यक्रम को किया संबोधित

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊ: समाज की भावनाओं को शासन तक पहुंचाने का मीडिया एक सशक्त माध्यम है। हमारी सरकार भी हर न्यूज को सुझाव के रूप में देखती है। न्यूज अगर सत्य है तो ऐसा हो ही नहीं सकता कि कोई संवेदनशील सरकार उसका संज्ञान ना ले। हमारी सरकार हर खबर का संज्ञान लेती है, बशर्ते वो कोई प्रोपगेंडा ना हो। साथ ही साथ मीडिया के द्वारा समाज के आमजन और प्रबुद्धजनों के विचारों को भी हम मार्गदर्शन के रूप में लेते हैं, ये हमारे लिए सुझाव का कार्य करता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान कही।

लोकतंत्र में सभी स्तंभों का अपना-अपना महत्व: राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में अपने उद्बोधन में सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र में सभी स्तंभों का अपना अपना महत्व है। मीडिया की भी अपनी सशक्त भूमिका है। इसके अलग अलग स्वरूप हो सकते हैं। प्रिंट, टीवी और अब सोशल एवं डिजिटल मीडिया ने व्यवस्था को प्रभावित किया है।

इन स्थितियों में प्रिंट की भूमिका को आज भी किसी भी स्थिति में कमतर करके नहीं आंका जा सकता। इन सभी माध्यमों के अपने अपने प्रशंसक हैं।

संज्ञान

> न्यूज अगर सत्य है तो ऐसा हो ही नहीं सकता कि कोई संवेदनशील सरकार उसका संज्ञान ना ले

विदेशों में नौकरी करने वाले उठा रहे हैं आयुष्मान कार्ड का लाभ

मुरादाबाद: मुरादाबाद में आयुष्मान योजना में फजीवाड़ा करने के आरोपों में मिशन अस्पताल की फाइलों की जांच चल रही है। इसमें सामने आया है कि जिन परिवारों के मुखिया विदेश में नौकरी कर रहे हैं, उनके भी आयुष्मान कार्ड बने हैं। इतना ही नहीं आयुष्मान कार्ड से सर्जरी का लाभ भी लिया है। अब विभाग ऐसे लोगों की सूची भी तैयार कर रहा है। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि मिशन अस्पताल के आयुष्मान योजना में फजीवाड़े की जांच जल्द ही पूरी हो जाएगी।

'गोहत्या बन्द करने के लिए भारत बंद में करें भागीदारी'

टीम एक्शन इंडिया

वाराणसी: ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ने देश में गोहत्या बंद करने के लिए आगामी दस मार्च को सिर्फ दस मिनट के लिए भारत बंद का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि 10 मार्च को पूर्वाह्न 10:10 बजे तक सिर्फ बंदी में शामिल लोग अपने-अपने घर, कार्यालय अथवा प्रतिष्ठान के बाहर निकलकर गोमाता के प्रति अपने हृदय की भावना को प्रकट करें। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सोमवार अपराह्न केदारघाट स्थित श्री विद्यामठ में मीडिया कर्मियों से रूबरू थे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में गोहत्या महापाप है। गोहत्या करने वाले को समर्थन देने वाले को भी यह पाप लगता है। इसलिए सत्ता में आकर गोहत्या करने वाले राजनीतिक दलों को मत देने वाले मतदाताओं को भी गोहत्या का पाप लग रहा है। हिन्दुओं को इससे बचने और अपने मताधिकार का सही प्रयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आपके द्वार पर जो भी दल के लोग वोट लेने आएं उनसे आप यह कह सकते हैं कि गो हत्या न करने का शपथ-पत्र लिखित रूप से देने पर ही वोट दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एनडीए और इण्डिया की तर्ज. पर गो-गठबन्धन बनायेंगे। गोमाता को राष्ट्र माता घोषित कराने के लिए हम स्वयं आगामी 14 मार्च 2024 को वृन्दावन से दिल्ली तक की पदयात्रा करेंगे। यह यात्रा गोवर्धन परिक्रमा से आरम्भ होगी और वर्ष 1966 में जहाँ गोभक्तों पर गोली चली थी संसद भवन दिल्ली के उस स्थान पर जाकर रामा गो की रक्षा करने के संकल्प के साथ पूर्ण होगी।

अब गौलापार में होगी अतिक्रमण पर कार्रवाई

टीम एक्शन इंडिया

हल्द्वानी

अतिक्रमण को लेकर प्रशासन लगातार तीखी कार्रवाई करने जा रहा है।बनभूलपुरा के बाद अब तराई पूर्वी रेंज के गौलापार स्थित बागजाला में अतिक्रमण हटाने की तैयारी शुरू हो गई है। वन विभाग ने इसके लिए पुलिस प्रशासन को चिट्ठी लिखकर फोर्स उपलब्ध कराने को कहा है। इसके अलावा वन विभाग अपने दूसरे रेंजों से भी फोर्स को मंगवा रहा है। आगामी 27 फरवरी को यह कार्रवाई शुरू की जा सकती है। वन विभाग अतिक्रमण को लेकर बड़ी कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह योजना बना रहा है। वन विभाग ने अतिक्रमण कार्यों को सचेत करने के लिए मुनादी भी शुरू कर दी है। नए निर्माण पर सबसे पहले बुलडोजर चलाई जाने की उम्मीद है।

सख्ती

> वन विभाग ने इसके लिए पुलिस प्रशासन को चिट्ठी लिखकर फोर्स उपलब्ध कराने को कहा है

विकास मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं, उज्जैन के समृद्ध धार्मिक, वैज्ञानिक और ऐतिहासिक महत्व से रूबरू होंगे उद्योगपति

कॉन्क्लेवः 169 उद्योगपतियों को 6774 करोड़ की भूमि की जाएगी आवंटित

टीम एक्शन इंडिया

उज्जैन: मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। जिसे आकार देने के लिए वृहद स्तर पर उज्जैन में 1 एवं 2 मार्च को रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2024 का आयोजन किया जा रहा है। जिससे उज्जैन, इंदौर सहित प्रदेश के अन्य जिलों में औद्योगिक विकास के द्वार खुलेंगे। विशेष बात यह है कि इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में मौके पर ही 169 उद्योगपतियों को 6774 करोड़ की भूमि आवंटित की जाएगी। जिसके सहित कुल 8000 करोड़ से अधिक के कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास होगा। जिससे 12000 से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हो सकेगा। साथ ही साथ प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र में भी भूमिपूजन के कार्यक्रम आयोजित होंगे। उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में अभी तक 662 बायर द्वारा और 2551 सेलर द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया गया है। जो जारी हैं। कलेक्टर ने बताया कि बायर और सैलर में प्रमुख रूप से फूड और एग्रो प्रोडक्ट्स, सर्विस सेक्टर, इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स, केमिकल एंड एलाइड प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल, प्लास्टिक , हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट, इलेक्ट्रिकल ,जेम एंड ज्वेलरी, रियल एस्टेट, लेदर, स्पोर्ट्स, फिश एंड मरीन प्रोडक्ट्स के सेक्टर शामिल है। देश में आईटी सेक्टर्स के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में यूएसए, फिजी, मंगोलिया के गवर्मेंट डेलीगेशन और जापान, जर्मनी के बिजनेस डिलेगशन शामिल होंगे।

भगवान महाकाल को विशेष भोग: प्रदेश के सर्वांगीण विकास और इंडस्ट्री कांक्लेव के सफल आयोजन के लिए सर्वप्रथम भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया जाएगा। भगवान महाकाल को 6.25 क्विंटल लड्डू का भोग लगाया जाएगा। यह विशेष प्रसाद इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में शामिल उद्योगपतियों को भी दिया जाएगा।

उज्जैन के समृद्ध धार्मिक, वैज्ञानिक और ऐतिहासिक महत्व से रूबरू होंगे उद्योगपति: मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए अनुकूल वातावरण के साथ उज्जैन के समृद्ध धार्मिक, वैज्ञानिक और ऐतिहासिक महत्व से भी उद्योगपतियों रूबरू होंगे। कालिदास, वराहमिहिर, बाणभट्ट, राजशेखर, पुष्पदंत, शंकराचार्य, वल्लभाचार्य, भर्तृहरि, दिवाकर, कात्यायन और बाण जैसे विविध क्षेत्रों के महान विद्वानों का उज्जैन से जुड़ाव रहा है। राजा विक्रमादित्य ने इस शहर को अपनी राजधानी बनाया। महान विद्वान संस्कृतक कालिदास राजा विक्रमादित्य के दरबार में थे। उज्जैन का वर्णन स्कंदपुराण में मिलता है और इसे मंगल गृह की उत्पत्ति का स्थान माना जाता है।